जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 301 प्रभात चूरू, शुक्रवार 27 फरवरी, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राजस्थान हाई कोर्ट में घुसकर वकीलों से जमकर मारपीट, मामला दर्ज

बताया जा रहा है कि अधिवक्ता अंकुश शर्मा द्वारा एक युवक-युवती को हाई कोर्ट से सुरक्षा दिलाने के लिए याचिका दायर की जानी थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 26 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर में गुरूवार को करीब 30-40 लोगों ने एक अधिवक्ता के चैंबर में घुसकर वकीलों से मारपीट की। जैसे ही यह यह खबर हाईकोर्ट परिसर में फैली तो अन्य अधिवक्ता भी मौके पर पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। इसमें कुछ लोगों को गंभीर चोटें भी आई हैं। इस पूरे प्रकरण के बाद मारपीट में घायल अधिवक्ता अंकुश शर्मा ने अशोक नगर थाने में 12 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है।

- परंतु इससे पूर्व ही करीब 30-40 लोगों ने अधिवक्ता के चैंबर में घुसकर जानलेवा हमला कर दिया।
- जैसे ही इस घटना की जानकारी हाईकोर्ट परिसर में फैली तो अन्य अधिवक्ता भी बीच-बचाव के लिए पहुंचे, जिस पर दोनों पक्षों में जमकर लात-घूंसे चले।

अधिवक्ता अंकुश शर्मा ने एफ.आई.आर. में पुलिस को बताया कि गुरूवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे वे अपनी मुवक्किल निशु कुमावत व अन्य की ओर से हाईकोर्ट में प्रोटेक्शन (सुरक्षा प्रदान करने के लिए) याचिका दायर करने वाले थे। इसी दौरान करीब 30-40 लोग हथियारों से लैस होकर हाईकोर्ट परिसर स्थित उनके चैंबर 269 में घुस आये और बिना कुछ बताए मारपीट शुरू कर दी। इससे अंकुश व उनके अन्य साथी अधिवक्ता घायल हो गए। बदमाशों ने झगड़े व मारपीट के दौरान वहां रखी फाइलों को फाड़कर फेंक दिया। अंकुश के गले से सोने की चेन व जेब में रखे फीस के 6500 रुपए भी छीन लिए। इस दौरान बीच-बचाव करने आए अन्य कुछ अधिवक्ता भी मारपीट में घायल हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से भाग गए। अधिवक्ता अंकुश ने अशोक नगर पुलिस थाने में आरोपी दिनेश, अनिल, हेमराज, नारंगी, ममता, रेखा, राजेन्द्र, रमेश, नवीन, ऋतुराज, हरिराम और शांति के खिलाफ जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एएसआई रामकुमार को जांच सौंपी है।

बताया जा रहा है कि हाईकोर्ट में मौजूद वरिष्ठतम न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह की अदालत में पहुंचकर दोपहर 2 बजे अधिवक्ताओं व बार कौंसिल के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल ने इस मामले की जानकारी दी। वकीलों ने नाराज़गी जताते हुए कहा कि अगर हाईकोर्ट परिसर में भी अधिवक्ता सुरक्षित नहीं है तो फिर बाहर कैसे रहेंगे। इस पर अदालत ने कहा कि 3 बजे इस मामले पर सुनवाई की जाएगी और महाधिवक्ता को भी उपस्थित रहने को कहा। जैसे ही 3 बजे इस मामले पर सुनवाई हुई तो महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद की ओर से कहा गया कि हम पुलिस से बातचीत कर चुके हैं, आज की घटना को देखते हुए अब हाईकोर्ट परिसर में पुलिस की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

जल जीवन मिशन प्रकरण में 5 को जमानत मिली

जयपुर, 26 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर एसीबी में दर्ज मामले में आरोपी महेश कुमार मित्तल सहित, चार अन्य आरोपियों, हेमंत मित्तल, पीयूष जैन, गोपाल लाल कुमावत और उमेश कुमार शर्मा को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस चन्द्र प्रकाश श्रीमाली की एकलपीठ ने आरोपियों की जमानत याचिकाओं को स्वीकार करते हुए ये आदेश दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में मुख्य आरोपियों को जमानत दी जा चुकी है और याचिकाकर्ता सह आरोपियों के खिलाफ आरोप उनसे गंभीर नहीं माने जा सकते। वहीं प्रकरण की सुनवाई पूरी होने में समय लगेगा। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को जमानत पर रिहा करना उचित होगा।

- हाई कोर्ट ने कहा कि मुख्य आरोपियों को जमानत दी जा चुकी है, इसलिए सह-आरोपियों को जमानत पर रिहा करना उचित होगा।

जमानत याचिका में अधिवक्ता सुधीर जैन ने अदालत को बताया कि प्रकरण के तथ्यों के अनुसार पदम चंद जैन की कार से 2.20 लाख रुपए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब विधानसभा चुनावों की अग्रिम तैयारी शुरु की भाजपा ने

प्र.मंत्री मोदी की पंजाब यात्रा के बाद अब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जल्दी ही मालवा क्षेत्र में विशाल रैली करेंगे

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। मीडिया का ध्यान इस समय भाजपा की पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल चुनावों की रणनीतियों पर केन्द्रित है, वहीं भगवा पार्टी, जो कभी भी किसी चुनाव को हल्के में नहीं लेती, ने 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए भी अपनी तैयारियाँ शुरू कर दी हैं।

प्रधानमंत्री के हालिया पंजाब दौरे के बाद, गृह मंत्री अमित शाह मोगा जिले के किली चाहलान गांव में एक बड़ी रैली करने की योजना बना रहे हैं, जो राज्य के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मालवा क्षेत्र का केन्द्र है और सभी राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणभूमि बन चुका है। उल्लेखनीय है कि सत्ता में काबिज आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी चुनावी मुहिम इसी गांव से 17 फरवरी को शुरू की थी।

शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के साथ पुनः गठबंधन करने को लेकर भाजपा के अन्दर मतभेद हैं, लेकिन फिलहाल भाजपा आक्रामक और स्वतंत्र रीति -नीति पर फोकस कर रही है, जिसमें राज्य विधानसभा की सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजनैतिक दृष्टि से मालवा पंजाब का महत्वपूर्ण क्षेत्र है और सभी पार्टियों की इस पर नज़र है।
- भाजपा में गठबंधन की संभावनाओं पर भी चर्चा चल रही है। पार्टी का एक वर्ग शिरोमणि अकाली दल के साथ पुनः गठबंधन करने की बात कर रहा है, वहीं दूसरा वर्ग चाहता है कि भाजपा गठबंधन करने के बजाय स्वतंत्र आक्रामक नीति पर फोकस करे और सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़े।
- 2024 के लोकसभा चुनाव में 18.5 प्रतिशत वोट के साथ भाजपा पंजाब की तीसरी सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरी थी।
- अब भाजपा ने "एक भारत श्रेष्ठ भारत", और "पूर्वांचल सम्मान कार्यक्रम" शुरु किए हैं, भाजपा का मुख्य लक्ष्य गैर पंजाबी मतदाता हैं, जो अन्य राज्यों से आए हैं।

'नरेन्द्र आप दोस्त से बढ़कर हैं, एक भाई हैं'

इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बेहद भावुक भाषण दिया, प्र.मंत्री मोदी के स्वागत में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समय इज़राइल की उच्च-स्तरीय यात्रा पर हैं। सन 2017 की ऐतिहासिक यात्रा के बाद तेल अवीव की यह उनकी दूसरी यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात की, जिसका उद्देश्य व्यापार और रक्षा संबंधों को गहरा करना था। इस यात्रा को घरेलू स्तर पर आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी को "दोस्त से भी बढ़कर" बताते हुए, नेतन्याहू ने भारतीय नेता की सराहना की और अक्टूबर 7, 2023 के हमास के क्रूर हमले के बाद इज़राइल के साथ खड़े रहने के लिए उनका धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री मोदी उन पहले विश्व नेताओं में से थे, जिन्होंने हमास द्वारा किए गए उस घातक हमले की निंदा की, जिसमें लगभग 1,200 इज़राइलियों की हत्या की गई और करीब 250 लोगों का अपहरण कर लिया गया था।

- नेतन्याहू ने इज़रायली संसद में मोदी का स्वागत किया और कहा, आपकी यात्रा से मैं बेहद अभिभूत हूँ। आप इज़रायल के "ग्रेट फ्रैंड" हैं और विश्व के महान नेता हैं।
- नेतन्याहू ने इज़रायल पर हमास के हमले में मोदी द्वारा इज़रायल का समर्थन करने के लिए उनका धन्यवाद किया। प्र.मंत्री मोदी उन चन्द नेताओं में से थे, जिन्होंने सबसे पहले इज़रायल के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया था। ज्ञातव्य है कि उक्त हमले में 1200 इज़रायली मारे गए थे तथा 250 लोगों को किडनैप किया गया था।
- प्र.मंत्री मोदी और नेतन्याहू ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक व रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर भी बात की।

नेतन्याहू ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, "कई प्रधानमंत्री और राष्ट्राध्यक्ष कनेसट आते हैं और वह हमेशा हमारे लिए एक रोमांचक क्षण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होली पर रेलवे 750 विशेष ट्रेन चलायेगी

नई दिल्ली, 26 फरवरी। होली की भीड़ नियंत्रित करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक कदम उठाने के साथ ही विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। उत्तर रेलवे और दूसरे जोन से यहां के स्टेशनों पर आने वाली लगभग साढ़े सात सौ विशेष ट्रेनें घोषित की गई हैं।

अधिकारियों का कहना है कि 31 मार्च तक यह संख्या 12 सौ से अधिक होगी। इनमें से अधिकांश ट्रेनें दिल्ली के रेलवे स्टेशनों से चलेंगी। इसके साथ ही, उत्तर रेलवे में आने वाले अन्य बड़े स्टेशनों से भी विशेष ट्रेनें चलेंगी। इससे दिल्ली के स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

- अधिकारियों के अनुसार, 31 मार्च तक ट्रेनों की संख्या 1200 से अधिक होगी।

पिछले वर्ष होली के दिनों में उत्तर रेलवे द्वारा 280 विशेष ट्रेनें चलाई गई थीं। इस बार यह संख्या साढ़े तीन सौ से अधिक होगी। वहीं, दूसरे ज़ोन से भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की किताब के प्रकाशन पर रोक लगाई

कक्षा-8 की उक्त पाठ्य पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार संबंधी अध्याय पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह प्रतिबंध लगाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एनसीईआरटी की कक्षा 8 की किताब के आगे के प्रकाशन, मुद्रण तथा प्रसार पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसमें "न्यायपालिका में भ्रष्टाचार" पर एक अध्याय था। कोर्ट ने कहा कि इस मामले की गहरी जांच की आवश्यकता है।

कोर्ट ने पहले 25 फरवरी को इस मामले को स्वतः संज्ञान मामले के रूप में पंजीकृत किया था, जब यह मामला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा विपुल एम. पंचोली की बैंच के समक्ष उठाया गया था।

'आपत्तिजनक पाठ्यपुस्तक' पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह एक सोची-समझी चाल थी, जिसका उद्देश्य संस्थागत अधिकार को कमज़ोर करना और न्यायपालिका की गरिमा को कम करना था।

- सीजेआई ने इस मसले पर भारी नाराज़गी जताई और कहा, न्यायपालिका पर गोली चलाई गई, वह घायल है। सीजेआई ने पुस्तक के प्रकाशन पर रोक के साथ ही कन्टैम्प्ट ऑफ कोर्ट एक्ट के तहत स्कूल शिक्षा विभाग तथा एनसीईआरटी के डायरेक्टर को नोटिस भेजा।
- 25 फरवरी को यह प्रकरण सुप्रीम कोर्ट के सामने रखा गया, पर, कोर्ट ने उससे पहले ही इस पर संज्ञान ले लिया था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा विपुल एम. पंचोली की पीठ मामले की सुनवाई कर रही है।

मुख्य न्यायाधीश ने एक कड़ा बयान देते हुए कहा कि एक गोली चली है और न्यायपालिका घायल हो गई है। आदेश का मसौदा तैयार करते हुए सीजेआई ने स्कूल शिक्षा विभाग और एनसीईआरटी के निदेशक डॉ. दिनेश प्रसाद सकलानी को अवमानना अधिनियम के तहत नोटिस जारी करते हुए उनसे यह पूछा कि क्यों न उनके खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू की जाए।

कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि यह एक सोची-समझी चाल थी, जो न्यायपालिका की गरिमा और संस्थागत अधिकार को कमजोर करने के उद्देश्य से चली गई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर इसे बिना जांच के छोड़ दिया जाता है, तो इससे सार्वजनिक सोच में और युवाओं के मन में न्यायिक व्यवस्था की पवित्रता समाप्त हो जाएगी। कोर्ट ने यह नोट किया कि किताब में शब्दों का चयन अनजाने में हुई केवल एक सामान्य गलती नहीं हो सकता।

अपने आदेश में, कोर्ट ने कहा कि वह किसी भी वैध आलोचना को दबाने या किसी व्यक्ति/संस्था के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्वतः संज्ञान कार्यवाही शुरू नहीं करना चाहता, जो सार्वजनिक संस्थानों, जिनमें न्यायपालिका भी शामिल है, की जांच करने का अधिकार रखते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि असहमति, विचार-विमर्श और गहन बहस एक जीवंत लोकतंत्र की अहम विशेषताएँ हैं और ये संस्थागत जवाबदेही के महत्वपूर्ण उपकरण हैं।

कोर्ट ने यह भी अफसोस जताया कि पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका की उस अनिवार्य भूमिका को नज़रअंदाज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत का यूपीआई इज़रायल में भी चलेगा

नई दिल्ली, 26 फरवरी। कई देशों के बाद अब इज़रायल में भी भारत का यूपीआई पेमेंट सिस्टम चलेगा। भारत इज़रायल इकोनॉमिक फोरम की स्थापना भी हुई है। इसे लेकर मोदी और इज़रायली पीएम नेतन्याहू के बीच द्विपक्षीय मीटिंग में समझौता हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इज़रायल दौरे पर हैं। आज उनके दौरे का दूसरा दिन है।

- मोदी-नेतन्याहू मीटिंग में समझौता हुआ।

पीएम ने कहा, मुझे खुशी है कि इजरायल में यूपीआई के इस्तेमाल के लिए समझौता किया गया है। डिजिटल हैल्थ के लिए भी हम अपने अनुभव साझा करते हुए लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रक्षा के क्षेत्र में हमारा दशकों पुराना विश्वसनीय सहयोग रहा है। पिछले साल हुए एमओयू से इसमें नए आयाम जुड़ेंगे। हम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनसीईआरटी की किताब का विवाद साख और जिम्मेवारी के बीच के तनाव को दर्शाता है

सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणियां संकेत हैं कि वह इसे न्यायपालिका की वैधता पर बड़े प्रहार के रूप में देखता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा 8 के पाठ्यक्रम में न्यायिक भ्रष्टाचार पर एक अध्याय को लेकर एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई शुरू की तथा सुनवाई के दौरान बैंच ने तीखी टिप्पणियां कीं। सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शिक्षा मंत्रालय की ओर से बिना शर्त माफी मांगी।

हालांकि, अदालत ने यह ध्यान दिलाया कि एनसीईआरटी के संदेश में "एक भी शब्द माफी का नहीं था" और इसके बजाय वह सामग्री को "सही ठहराने" की कोशिश करती हुई प्रतीत हुई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि ऐसा लगता है कि न्यायपालिका को बदनाम करने के लिए एक "गहरी, सुविचारित साजिश" की गई है, और उनका कर्तव्य है कि वे जिम्मेदार लोगों की पहचान करें और उन पर कार्यवाही करें। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि वह विवादित अंशों को हटाने का आदेश दे सकती है, यह कहते हुए कि "किसी को भी बिना सजा के नहीं छोड़ा जाएगा," और उन्होंने मामले की गहरी जांच की आवश्यकता पर जोर दिया।

- हालांकि, यह भी सही है कि अन्य लोकतांत्रिक संस्थानों की तरह न्यायपालिका भी आलोचना से परे नहीं है, लेकिन पाठ्य पुस्तकों में न्यायपालिका की आलोचना का अध्याय जोड़ने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं, इससे जनता का न्यायपालिका पर भरोसा कम हो सकता है।
- हालांकि कोर्ट ने हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शैक्षणिक स्वायत्तता की हिमायत की है, पर, जब न्यायपालिका की ईमानदारी व साख दांव पर लगी हो तो कोर्ट को हस्तक्षेप करना ही पड़ेगा।
- एनसीईआरटी ने इस अध्याय की समीक्षा की है, पर, यह प्रकरण पाठ्य पुस्तकों में संवैधानिक संस्थाओं के चित्रण पर स्पष्ट मार्ग निर्देशों को जन्म दे पाएगा या नहीं इसका पता आने वाला वक्त ही बताएगा और यह इस बात पर निर्भर करेगा, विवाद थमेगा या और गहराएगा।

पाठ्यपुस्तक में कहा गया था कि भ्रष्टाचार, न्याय में देरी और अपर्याप्त न्यायिक शक्ति अदालतों में जनता के विश्वास को कमजोर करती हैं, जबकि इन मुद्दों को कानूनी और नीति विमर्श में व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है, जिसमें संसदीय बहस और कानून आयोग की रिपोर्ट भी शामिल हैं, सामग्री की रूपरेखा और तरीके ने आपत्तियाँ उत्पन्न कीं। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि अध्याय ने न्यायपालिका का अत्यधिक नकारात्मक चित्रण किया, बिना उचित संदर्भ के, विशेष रूप से किशोर छात्रों के लिये, जिनकी सोच विकसित हो रही होती है।

मामले की सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की। सीजेआई सूर्यकांत की टिप्पणियों से यह चिंता जाहिर हुई कि बिना गहरे विचार के बार-बार भ्रष्टाचार की सार्वजनिक कहानियाँ न्यायिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को खत्म कर सकती हैं। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में संस्थाओं की आलोचना वैध है, लेकिन व्यापक सामान्यीकरण या अपुष्ट दावे सार्वजनिक विश्वास को कमज़ोर कर सकते हैं। सीजेआई ने यह भी संकेत दिया कि न्यायपालिका को, जो एक संवैधानिक स्तंभ है, व्यवस्थित रूप से अमान्य नहीं किया जाना चाहिए।

अदालत की टिप्पणियों के बाद, एनसीईआरटी ने "अनुचित सामग्री" के लिए माफी मांगी और स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य न्यायपालिका की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिम के बिना वॉट्सएप, टेलीग्राम, सिग्नल नहीं चलेंगे

नई दिल्ली, 26 फरवरी। अगर आप व्हाट्सएप (वॉट्सएप) इस्तेमाल करते हैं तो आपके लिए एक बड़ी खबर है। केन्द्र सरकार ने साफ कर दिया है कि सिम बाइंडिंग नियम में कोई ढील नहीं दी जाएगी। यह नियम व्हाट्सएप के अलावा टेलीग्राम और सिग्नल जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर भी लागू होगा। ताजा जानकारी के मुताबिक, 1 मार्च 2026 से सभी कंपनियों को इस व्यवस्था का पालन करना अनिवार्य होगा।

- केन्द्र सरकार ने सायबर धोखाधड़ी रोकने के लिए नए नियम बनाये।

केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हाल ही में दिए एक बयान में कहा था कि ये नियम राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर धोखाधड़ी रोकने के लिए लागू किए गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

वसंत अपने आप नहीं आता, उसे लाना पड़ता है। सहज आने वाला तो पतझड़ होता है, वसंत नहीं। –हरिशंकर परसाई

भिक्षावृत्ति उन्मूलन व पुनर्वास की जरूरत

सरकारी और गैर सरकारी प्रयासों के बावजूद राजस्थान सहित किसी भी प्रदेश में भिक्षावृति पर अंकुश नहीं लगाया जा सका है। राजस्थान में कुछ संगठनों ने तय किया है कि वे भिक्षा में नकदी नहीं देंगे अपितु खाने-पीने का सामान और पहनने को कपडा देंगे। हालाँकि यह कोई भीक्षा समाप्त करने का कोई ठोस उपाय नहीं है। देखा जाता है हर चौराहे, लाल बती, धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर हाथ में कटोरा लिए बच्चे से बुजुर्ग तक भिक्षा मांगने वाले मिल जायेंगे। कई बार ये लोग दुर्घटना का शिकार भी हो जाते है। कई महिलाऐं छोटे बच्चों के साथ भिक्षा मांगती सरेआम मिल जाएगी। कुछ तो गोदी में बच्चा लिए भी दिख जाएगी।

इस समस्या से निपटने और विस्थापित भिखारियों के लिये वैकल्पिक समाधान प्रदान करने के प्रयासों के तहत, उदाहरण के रूप में इंदौर का अनुसरण करते हुए, भोपाल, मध्य प्रदेश ने सभी सार्वजनिक स्थानों पर भिक्षावृत्ति पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। वेसे तो भिक्षावृति हमारे समाज के लिए कलंक के सामान है, लेकिन इंसान की मज़बूरी ही उसको इसके लिए बाध्य कर देती है। हालाँकि कुछ लोगो ने इसको पेशा और धंधा के समझते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजन स्थलों पर भिक्षुकों को दान देना पुण्य माना जाता है, जिससे यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसी कारण कई गिरोह इसको व्यवस्थित तरीके से संचालित करने लगे हैं, जहाँ मजबूरी में भीख माँगने वाले लोगों का शोषण भी किया जाता है।

भिक्षावृत्ति की समस्या दिनों-दिन जटिल होती जा रही है। कुछ लोग तो अशक्त होने पर भीख मांगने पर मजबूर होते हैं। तीर्थ स्थानों, धार्मिक स्थलों, मंदिरों में तो यह बहुत अधिक संख्या में पाये जाते हैं।

सड़कों, चौराहों, पर्यटन स्थलों और बाजारों में भी भिक्षावृत्ति का साम्राज्य है। आज भिक्षावृत्ति ने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है। दया, सहानुभूति जैसी मानवीय भावनाओं का लाभ उठा कर भिक्षावृत्ति का व्यवसाय फल फूल रहा है। गली गली घूम कर, मुहल्लों में जाकर प्रतिदिन भिखारी कुछ पाने की अपेक्षा रखते हैं। जरूरी नहीं कि जो इन्हें दिया जाये उससे वह प्रसन्न हो जायें। आजकल तो भिखारी भिक्षा भी ले लेते हैं और ताना भी मार देते हैं। वस्तुस्थिति यह है कि भिक्षावृत्ति में अब कई प्रकार के भिखारियों ने कदम जमा लिये हैं। किन्नर भी इसमें हाथ आजमा रहे हैं और याचना से काम न चलने पर धौंस जमाकर और धमकी देकर पैसे ऐंठते भी देखे गये हैं। भिक्षा मांगना भी एक कला है। कुछ भिखारी अपने अंधे-लंगड़े या अपाहिज होने का कारण बताते हुए भीख मांगते हैं। कुछ वेशभूषा को अजीब बना कर, लम्बे बाल करके, राख पोत कर स्वांग करके मांगते हुये दिख जाते हैं। कुछ बसों एवं रेलगाड़ियों में गा-बजा कर पैसे मांगते हैं। कुछ केसरी वस्त्र पहन कर भीख मांगते हैं तो कुछ साधु-संतों के रूप में कई भिखारी खतरनाक होते हैं। वह महिलाओं एवं बच्चों को ठगते हैं। मौका पाकर वह उनके गहने लूटने से भी बाज नहीं आते, इनसे सावधान रहना चाहिए। भीख मांगना अब कानूनन भी अपराध माना जाता है।

भिक्षावृत्ति की परिभाषा में ऐसे किसी भी व्यक्ति को शामिल किया गया है जो गाना गाकर, नृत्य करके, भविष्य बताकर, कोई सामान देकर या इसके बिना भीख मांगता है या कोई चोट, घाव आदि दिखाकर, बीमारी बताकर भीख मांगता है। इसके अलावा जीविका का कोई दृश्य साधन न होने और सार्वजनिक स्थान पर इधर-उधर भीख मांगने की मंशा से घूमना भी भिक्षावृत्ति में शामिल है। भारत सरकार ने अपने स्मार्ट सिटी वाले लक्ष्य पर काम करना शुरू कर दिया है। योजना के तहत सरकार की ओर से एक लिस्ट तैयार की गई है, जिसमें केंद्र ने भिक्षावृत्ति में लगे वयस्कों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के सर्वेक्षण और पुनर्वास के लिए धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 30 शहरों की पहचान की है।

सड़कों, चौराहों, पर्यटन स्थलों और बाजारों में भी भिक्षावृत्ति का साम्राज्य है। आज भिक्षावृत्ति ने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है। दया, सहानुभूति जैसी मानवीय भावनाओं का लाभ उठा कर भिक्षावृत्ति का व्यवसाय फल फूल रहा है। गली गली घूम कर, मुहल्लों में जाकर प्रतिदिन भिखारी कुछ पाने की अपेक्षा रखते हैं। जरूरी नहीं कि जो इन्हें दिया जाये उससे वह प्रसन्न हो जायें। आजकल तो भिखारी भिक्षा भी ले लेते हैं और ताना भी मार देते हैं। वस्तुस्थिति यह है कि भिक्षावृत्ति में अब कई प्रकार के भिखारियों ने कदम जमा लिये हैं।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय का लक्ष्य हॉटस्पॉट की पहचान करने और 2026 तक इन स्थानों को भिक्षावृत्ति से मुक्त बनाने में जिला और नगर निगम अधिकारियों का समर्थन करना है। पहले चरण में धार्मिक महत्व के जिन 10 स्थानों पर भिखारियों के पुनर्वास पर ध्यान दिया जाएगा, उनमें अयोध्या, ओंकारेश्वर, कांगड़ा, सोमनाथ, उज्जैन, बोधगया, त्र्यंबकेश्वर, पावागढ़, मुदैर और गुवाहाटी शामिल हैं। दिशानिर्देशों के मुताबिक, संबंधित धार्मिक ट्रस्ट या श्राइन बोर्ड भी इन स्थानों पर भीख मांगते पाए जाने वालों के पुनर्वास में शामिल होंगे। इसके अलावा, पर्यटन स्थलों में जैसलमेर, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा, कुशीनगर, सांची, केवडिया, श्रीनगर, नामसाई, खजुराहो, और पुडुचेरी शामिल हैं। वहीं, वारंगल, तेजपुर, कोझिकोड, अमृतसर, उदयपुर, कटक, इंदौर, मैसूर, पंचकूला, शिमला, तेजपुर ऐतिहासिक शहरों की सूची में हैं।

हमारे देश में भिक्षा ,भीख और दान की परम्परा रही है। मगर इन तीनों में अंतर समझना जरुरी है। भीख भिखारी को सहायता के रूप में दी जाती है भीख का कोई उद्देश्य नही होता। भीख देने के लिए किसी की योग्यता-अयोग्यता भी नही देखी जाती है। भिक्षा लेने वाले से यह आशा की जाती है कि वह इसे लेकर सभी के हित के लिए कार्य करेगा या फिर स्वयं का जीवन यापन करेगा। इसी भांति दान में भी भिक्षा के ही समान लक्षण होते हैं परंतु अंतर इतना होता है कि दान देने वाला इन्ही सब कारणों व लक्षणों को ध्यान में रखते हुये स्वयं जाकर इच्छित स्थान और समय पर व्यक्ति को दान देता है।

मगर अब भीख, भिक्षा और दान को एक ही तराजू पर तोला जाने लगा है जिससे इनका भेद मिट गया है। भीख भिक्षा और दान का पात्र अब केवल भिखारी ही रह गया है और बदलते जमाने में उसे भिखारी के नाम से ही सम्बोधित किया जाने लगा है। भारत में कानूनी तौर पर भिखारी की जो परिभाषा है उसके अनुसार भिखारी वह व्यक्ति है जिसके पास जीने का कोई साधन नहीं है, ना ही उसके पास सिर छिपाने के लिए छत है। वह लाचार, असमर्थ और अपंग है। सामान्य भाषा में ऐसा व्यक्ति भिखारी कहलाता है। 2011 की जनगणना बताती है कि देश में तीन लाख बहत्तर हजार भिखारी थे, जिनमें से 21 फीसद यानी 78 हजार भिखारी शिक्षित थे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि देश में भिखारियों की संख्या चार लाख तेरह हजार छह सौ सत्तर है, जिनमें पुरुषों की संख्या दो लाख बीस हजार और महिलाओं की संख्या एक लाख इक्यानबे हजार है।

आप सुबह-सुबह घर से ऑफिस या व्यवसाय के सिलसिले में बाहर निकलते हैं, तो आपको रेलवे स्टेशन, बस पड़ाव या मार्केट में "अल्लाह के नाम पर दे दे बाबा या फिर भगवान के नाम पर दे दे बाबा" जैसा शब्द सुनाई देता हैं। जब आप उधर नजर दौड़ाते हो तब आपको कुछ भिखारी डब्बे, बर्तन जैसे टिन का कटोरा आदि लिए यह वाक्य बार-बार दोहराते हैं। उसमें बच्चे, बूढ़े, नौजवान, विकलांग शामिल होते हैं। अंधे भी इस धंधे में शामिल होते हैं।

यह सच है कि केवल कानून के माध्यम से भिक्षावृति पर रोक नहीं लगाई जा सकती। इस बुराई पर रोक के लिए समाज को आगे आकर प्रयास करने होंगे, शारीरिक रूप से लाचार लोगों को रोजी रोटी का सरकार प्रबंध करे मगर जो सक्षम है और विभिन्न कारणों से ऐसा कर रहे है उनके रोजगार का प्रबंध सरकार करे ताकि मिलजुल कर भिक्षावृति रोकी जा सके।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

के.के. गुप्ता ने नागौर शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया

राजस्थान सरकार द्वारा नियुक्त स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता तथा नगर निकाय अधिकारियों की बैठक में स्वच्छता को लेकर चर्चा हुई

नागौर, (निसं)। जिले में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से स्वच्छ भारत मिशन के तहत गुरुवार को नगर परिषद सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्थान सरकार द्वारा नियुक्त स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता तथा नगर निकाय अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

नगर परिषद आयुक्त गोविंद सिंह भींचर ने बताया कि बैठक में नगर परिषद द्वारा स्वच्छता को लेकर लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था की सख्त निगरानी की जा रही है और गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बैठक के दौरान सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई, पार्कों के रखरखाव, प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक, सड़क नालियों की मरम्मत, डिवाइडर पर रंगरोगन तथा स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों के विस्तार पर भी चर्चा की गई। ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने सुझाव दिया कि स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिए स्कूलों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने वार्ड स्तर पर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने की भी बात कही।

इस दौरान के.के. गुप्ता ने कहा कि गांव और शहर को गंदगी की वजह से स्वच्छ नहीं बना पाना कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। उन्होंने कहा कि दृढ़ ईच्छा शक्ति से परिश्रम करके स्वच्छता का माहौल बनाया जा सकता है। स्वच्छता में इंसान ही नहीं देवी देवताओं का भी वास होता है। इस दौरान उन्होंने डूंगरपुर का उदाहरण देते हुए बताया कि काम के साथ-साथ नाम भी करें। काम के दम पर पहचान बनाएं। स्वच्छ भारत मिशन एक मिशन ही नहीं जन आंदोलन है। इसे आगे बढ़ाएं। हर आदमी ठान लें कि मैं स्वच्छता में सहयोग करूंगा तो कोई भी ताकत भारत को पूर्ण रूप से स्वच्छ बनाने से रोक नहीं सकती। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री बार-बार झाड़ू उठा रहे हैं खुद झाड़ू पौछा लेकर निकले। जिन्होंने देश को स्वच्छता का संदेश दिया।

के.के. गुप्ता

इस दौरान उन्होंने डूंगरपुर में किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता के दौरान बहुत से चैलेंज आए, पर हमने लोगों के भाव बदले। वहीं घर-घर शौचालय बनने से माता बहनों को खुशी मिली। गरीब के घर को प्रधानमंत्री ने सुरक्षित किया है। कोविड महामारी से पहले घर-घर शौचालय बनने से लोग महामारी से बच गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ने ही कोविड पर नियंत्रण किया। स्वच्छता को लेकर वे खुद 365 दिन कार्य करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमें आने जाने वाले रास्तों को भी साफ करना है। सभी निकायों का पहला और मजबूत कार्य स्वच्छता बनाए रखना है। यह सभी का कर्तव्य और जिम्मेदारी भी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति बाहर से आता है और आपके शहर की गलियों में गंदगी देखता है तो यह बड़ा शर्मनाक होता है।

इस दौरान के.के. गुप्ता ने कहा कि सरकार को मुझ पर पूरा भरोसा है इसलिए स्वच्छता की पूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इस दौरान उन्होंने बैठक में सभी को संबोधित करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति ठान लें तो 24 घंटे में शहर की फितरत बदल सकते हैं, इसके लिए केवल दृढ़ ईच्छाशक्ति होनी चाहिए। इसके लिए ग्रुप बनाकर कार्य करेंगे, सरकार भी जुड़ेगी। उन्होंने कहा इन ग्रुपों में दिन में तीन बार सफाई को लेकर फोटो डालने हैं जो भी काम करेंगे सभी का लेखा-जोखा ग्रुप में होगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि कार्य की सराहना करने से परिणाम नहीं आता हैं जब तक जनता ना बोले तब तक आनंद नहीं आएगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी यह प्रयास करें कि खुले में कहीं भी कचरा नहीं दिखे। अधिकारी मस्त, जनता त्रस्त यह बर्दाश्त नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि यहां आकर मैंने अभी ज्यादा देखा नहीं है और जो देखा है वह देखने लायक नहीं। इस दौरान उन्होंने सबसे हाथ जोड़कर भी निवेदन किया कि राजस्थान की प्रतिष्ठा का सवाल है, इस पर खरा उतरना है। धरातल को देखना है जनता के मुंह से यह निकले कि कचरा कहीं नहीं डालना है। बैठक में उन्होंने बाबा रामदेव के नुस्खे बताते हुए कहा कि क्रिया का होना ही काफी नहीं है क्रिया करने का भाव होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमने विषम परिस्थितियों को भी सम बनाया है। साथ ही उन्होंने कहा हर निकाय स्तर पर दो व्यक्तियों को सरकार द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। डोर टू डोर कचरा संग्रहण अच्छी पहल है। इसमें सुखा व गीला कचरा अलग-अलग करके 100 प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया जा सकता है। वहीं इसमें समय प्रबंधन होना भी जरूरी है। साथ ही गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम भी लगे, ताकि शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा सके।

- **स्वच्छ भारत मिशन, एक मिशन ही नहीं, यह जन आंदोलन है, इसे आगे बढ़ाएं : के.के. गुप्ता**

प्रवासित विवाहित महिलाएं भी सरकारी सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की हक़दार : राजस्थान हाईकोर्ट

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने रिपोर्टेबल निर्णय में कहा कि विवाहित महिलाएं भी सरकारी सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की हक़दार है। हाईकोर्ट ने महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता और नर्सिंग ऑफिसर नियमित भर्ती 2023 में आर्थिक पिछड़ा वर्ग प्रवासित विवाहित महिलाओं को दे ईडब्ल्यूएस आरक्षण सुनवाई पर यह निर्णय दिया। कोर्ट ने कहा कि अन्य राज्यों में जायी जन्मी, लेकिन राजस्थान में विवाहित महिलाएं भी सरकारी सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की हक़दार है। एकलपीठ निर्णय के विरुद्ध दायर राज्य सरकार की विशेष अपीलों को खारिज कर दिया अहम आदेश दिए गए।

डीडवाना (नागौर) निवासी याचिकाकर्ता पुनीता रानी और झालावाड़ निवासी रीना कुँवर राजपूत की ओर से अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी ने अलग-अलग रिट याचिकायें दायर कर बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 3384 पदों के लिए 19 मई 2023 को विज्ञप्ति जारी की गई थी एवं नर्सिंग ऑफिसर के 6981 पदों के लिए विज्ञप्ति 5 मई 2023 जारी की गई, जिसमें आर्थिक कमजोर वर्ग/ईडब्ल्यूस वर्ग के लिए 10 प्रतिशत पदों का आरक्षण किया गया। याची पुनीता रानी ने महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता पद के लिए और रीना कुँवर राजपूत ने नर्सिंग ऑफिसर पद के लिए ईडब्ल्यूएस वर्ग में अपना आवेदन किया। चयन प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद जारी अंतरिम चयन सूची में याचीगण को चयनित किया गया, लेकिन अंतिम चयन सूची से उनका नाम यह कहते हुए हटा दिया गया कि वह जन्मजात राजस्थान से बाहर अन्य राज्यों यथा हरियाणा/ मध्यप्रदेश की होने और शादी राजस्थान में हो जाने से वह ईडब्ल्यूएस वर्ग आरक्षण की हकदार नहीं है। इसे लेकर अलग-अलग रिट याचिका के मार्फत चुनौती दी गयी।

रिट याचिका में बताया गया कि याचिकाकर्ता का जन्म अन्य राज्य में हुआ और उनकी शादी राजस्थान के मूल निवासी से होने के बाद वे राजस्थान के मूल निवासी हो चुकी है। विवाह पश्चात से ही वह राजस्थान में ही निवासरत है। राज्य के सक्षम अधिकारी द्वारा याचीगण की समस्त जांच पड़ताल कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद नियमानुसार मूल निवासी प्रमाण पत्र और आर्थिक कमजोर वर्ग/ ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जारी किया गया।

राज्य सरकार के कार्मिक विभाग और सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग द्वारा भी समय समय पर परिपत्र और अधिसूचनाएं जारी करते हुए राज्य से बाहर की महिलाओं को विवाह पश्चात राजस्थान में आर्थिक कमजोर वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. प्रमाण पत्र जारी कर आरक्षण का फायदा देने के निर्देश जारी कर रखे हैं।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ख़िलेरी ने बताया कि आर्थिक कमजोर वर्ग आरक्षण जाति आधारित आरक्षण नहीं होता है बल्कि यह देश के सामान्य जाति के गरीब व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। यह आर्थिक कमजोर वर्ग/आरक्षण केवल राजस्थान राज्य के मूल निवासी उन लोगों को देय है जिनकी परिवार की सकल वार्षिक आय 8 लाख रुपए से कम है तथा जिनकी जाति एससी, एसटी, ओबीसी या एमबीसी जाति में नहीं आती हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 16 के मुताबिक किसी भी नागरिक को जन्म स्थान या निवास के आधार पर राज्य के अधीन किसी भी पद या रोजग़ार के लिए अपात्र नहीं ठहराया जा सकता और उससे भेदभाव नहीं किया जा सकता। इस कारण राज्य सरकार द्वारा राज्य के विवाहित महिला को सरकारी नौकरी में ईडब्ल्यूएस वर्ग आरक्षण से वंचित करना गैरकानूनी और असवैधानिक है। याचीगण के प्राप्तांक ईडब्ल्यूएस वर्ग के अंतिम कटऑफ से भी ज्यादा है।। हास्यास्पद स्थिति यह है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर सभी भर्तियों में अन्य राज्य की मूल निवासी राजस्थान में विवाहित महिलाओं को ई.डब्ल्यू.एस. आरक्षण का लाभ दे रही हैं, लेकिन राजस्थान सरकार के चिकित्सा विभाग द्वारा की जा रही भर्तीयों में अन्य राज्यों की विवाहित महिलाओं को ई.डब्ल्यू.एस. आरक्षण देने से मना किया जा रहा है।

अपीलकर्ता राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि राजस्थान राज्य से बाहर की मूल निवासी महिला शादी के बाद राजस्थान में राजकीय नौकरी में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की हकदार नहीं है और सर्वोच्च न्यायालय ने भी रंजना कुमारी मामले में अन्य राज्यों से प्रवासीत विवाहित महिलाओं को अन्य राज्य में एससी, एसटी, ओबीसी वर्गों में आरक्षण का हकदार नहीं माना हैं।

प्रकरण के तथ्यों और पूर्व न्यायिक दृष्टान्तों का समग्र परिशीलन पश्चात वरिष्ठ न्यायाधीश डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायाधिपति संदीप शाह की खण्डपीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश विशेष अपीलों को रिपोर्टेबल निर्णय से खारिज करते हुए यह प्रतिपादित किया कि अन्य राज्यों में जायी जन्मी लेकिन राजस्थान में विवाहित महिलाएं भी सरकारी सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण पाने की हक़दार हैं। साथ ही पूर्व में निर्णीत प्रकरण अमन कुमारी एकलपीठ निर्णय को सही ठहराया।

- **हाईकोर्ट ने महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता और नर्सिंग ऑफिसर नियमित भर्ती 2023 में आर्थिक पिछड़ा वर्ग प्रवासित विवाहित महिलाओं को ईडब्ल्यूएस आरक्षण सुनवाई पर यह निर्णय दिया**
- **रिट याचिका में बताया गया कि याचिकाकर्ता का जन्म अन्य राज्य में हुआ और उनकी शादी राजस्थान के मूल निवासी से होने के बाद वे राजस्थान की मूल निवासी हो चुकी है**

डूंगरपुर के वन नाका दामड़ी में मादा लैपर्ड मृत मिली

गर्भ में पल रहे दो शावकों की भी मौत, वन विभाग की टीम जांच में जुटी

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना क्षेत्र में स्थित वन मंडल की आंतरी रेंज के नाका दामड़ी के डोलवर में बुधवार को एक मादा लैपर्ड मृत पाई गई। इस घटना में मादा लैपर्ड के गर्भ में पल रहे दो शावकों की भी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आंतरी वन रेंज के डोलवर के पास लैपर्ड के मृत मिलने की सूचना पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मृत लैपर्ड को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर दोवड़ा वन नाका पहुंचाया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन पाटीदार, डॉ.निशांत परमार और डॉ. युक्ति परमार की एक टीम मौके पर पहुंची। डॉक्टरों ने जांच के दौरान बताया कि मादा लैपर्ड गर्भवती थी और उसके पेट में दो शावक पल रहे थे, जिनकी मादा लैपर्ड के साथ ही मौत हो गई। टीम ने देर शाम मादा लैपर्ड का पोस्टमार्टम किया। लैपर्ड के मृत मिलने की सूचना पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद वन विभाग और डॉक्टरों की मौजूदगी में मादा लैपर्ड का अंतिम संस्कार किया गया। मादा लैपर्ड की मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। इस घटना से कई सवाल खडे हो रहे हैं। पिछले दिनों साबला क्षेत्र में एक लैपर्ड का शिकारियों द्वारा शिकार किया गया था, जिसके नाखून और मुंह का जबड़ा काटकर शिकारी ले गए थे। इस मादा लैपर्ड की मौत को लेकर भी शिकार का संदेह जताया जा रहा है।

- **मादा लैपर्ड की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है**
- **इस मादा लैपर्ड की मौत को लेकर भी शिकार का संदेह जताया जा रहा है**

बाबा श्याम का मुख्य मेला आज

सीकर, (निसं)। खाटूश्याम जी का फाल्गुनी लक्खी मेला अपने परवान पर है, जिसमें देशभर से लाखों श्याम भक्त बाबा श्याम के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा के निर्देश में जिला प्रशासन द्वारा मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए अभूतपूर्व व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे भक्तों को सुगम, सुरक्षित और सुखद दर्शन प्राप्त हो रहे हैं। अब तक कुल 6,67,643 श्रद्धालु बाबा श्याम के दरबार में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं। बाबा श्याम का मुख्य मेला 27 फरवरी एकादशी को आयोजित होगा। इस दिन बाबा श्याम रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिल रही है।

जिला कलैक्टर शर्मा के निर्देश पर विशेष रूप से नगर पालिका द्वारा मेला परिसर में बेहतरीन साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। पर्याप्त कचरा पात्र लगाए गए हैं, अतिरिक्त ऑटो टीपर तैनात किए गए हैं, और डोर-टू-डोर होटल तथा ढाबों के कचरे के निस्तारण के लिए टेंडर आधारित व्यवस्थाएं की गई है, जिससे प्रतिदिन नियमित सफाई और कचरा संग्रहण हो रहा है।

वहीं बाबा श्याम के दर्शनों के लिये प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों से भक्त जयकारे लगाते हुये पहुंच रहे है। श्याम भक्तों के लिये रास्ते में कई जगह पर भंडारे लगे हुये हैं। वहीं भक्तों के लिये रास्ते में कई प्रकार की सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। रींगस से लेकर खाटू नगरी तक श्याम भक्तों का रैला ही नजर आ रहा है।

- **करीब सात लाख श्रद्धालुओं ने अब तक श्याम बाबा के दर्शन किए**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 27 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र प्रात: 10:49 तक, आयुष्मान योग सायं 7:44 तक, वणिज करण दिन 11:13 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:52 से कर्क राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग दिन 10:49 तक है। कुमार योग 10:49 से रात्रि 10:33 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 10:49 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 11:33 से रात्रि 10:33 तक रहेगी। बुध अस्त पश्चिम में रात्रि 3:39 पर होगा। आज आमला एकादशी व्रत, रंगभरी ग्यारस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:21 तक, लाभ-अमृत 8:23 से 11:14 तक, शुभ 12:40 से 2:05 तक, चर 4:57 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:57, सूर्यास्त 6:22

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनावश्यक कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का मानसिक तनाव दूर होगा। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

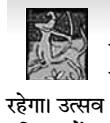

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। अतिथियों के आगमन से परिवार में मनोरंजन का माहौल रहेगा।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान को 16,600 करोड़ रुपए

से अधिक की पेयजल, विद्युत, सिंचाई, अक्षय ऊर्जा, सड़क, सीवरेज एवं अन्य परियोजनाओं का उपहार

सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि 1,000 करोड़ रुपए का हस्तांतरण

और 21,800 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्रों का वितरण

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
के द्वारा

28 फरवरी, 2026 । प्रात: 09:30 बजे

स्थान: कायड़ विश्राम स्थली, अजमेर

आप सादर आमंत्रित हैं

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

बीकानेर में पारा 33.6 डिग्री तक पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। जिले में गर्मी ने तेजी से असर दिखाना शुरू कर दिया है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले 3-4 दिनों में तापमान 35 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है। दोपहर के वक्त तेज धूप के कारण लोगों को पंखों का सहारा लेना पड़ रहा है और सड़कों पर आवाजाही अपेक्षाकृत कम दिखी। बीकानेर संभाग में सबसे ज्यादा गर्म बीकानेर शहर ही रहा, जहां पारा 33 डिग्री के पार पहुंचा। न सिर्फ दिन बल्कि रात भी अब गर्म रहने लगी है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में बीकानेर सहित पूरे संभाग में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल गर्मी से राहत के आसार नजर नहीं आ रहे।

Office of the Executive Engineer,
Watershed Development & Soil Conservation Khajuwala (Bikaner)

S.No.: 527 — Date:17/2/2026

NOTICE INVITING BID
NIB No WSC2526A1707

On the behalf of Governor of Rajasthan, bids for the execution of Construction of State Fund Works under MJSA 2.0 2nd Phase Projects of estimated value INR 138.28 Lakh as mentioned below are invited from interested bidders up to 04-03-2026, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state, and www.watershed.rajasthan.gov.in departmental website.

Bid No.	Block	Estimated Cost (Rs. in lakhs)	UBN No.
1	Poogal	69.14	WSC2526WSOB02948
2	Poogal	69.14	WSC2526WSOB02951

[Shri Gopal Mohta]
Executive Engineer
WDSC, Khajuwala

DIPR/C/3826/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. विद्युत खण्ड कोटा

क्रमांक-973 — दिनांक-19.02.2026

संशोधित निविदा आदेश

इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना संख्या 30/2025-26 दिनांक 05.02.2026 जो दिनांक 10.02.2026 से 19.02.2026 तक बेची जाकर दिनांक 20.02.2026 को खोली जानी है को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है-

1. निविदा के कार्य क्रम संख्या 1 व 2 में की दरे Without GST पढ़ी जावे। संवेदक को भुगतान के समय वर्तमान में Applicable GST@18% से भुगतान किया जायेगा।
2. निविदा दिनांक 10.02.2026 से 01.03.2026 तक ऑनलाईन बेची जाकर दिनांक 04.03.2026 को सायं 04.00 बजे तक बिड सिक्यूरिटी (बोली प्रतिभूति) बैंकर चैक, मांगदेय ड्राफ्ट/अनुसूचित बैंक की बैंक गारण्टी से भी इस कार्यालय में जमा कराई जा सकती है।
3. निविदा दिनांक 04.03.2026 को सायं 06.00 बजे खोली जायेगी।

निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

UBN- PWD2526WSOB22551, PWD2526WSOB225

(राजेन्द्र कुमार वासनवाल)
अधिशाषी अभियन्त
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड कोटा

DIPR/C/4440/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि. विभाग, विद्युत खण्ड-द्वितीय, जयपुर

क्रमांक-2171 — दिनांक-25.02.2026

निविदा सूचना संख्या- 52/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्य (1) Utility Electrical Poles shifting (33/11 KV) Work on Chaksu to Badarwas Old NH-12 to SH-02 To SH-02 Via Azamnagar, Kalyanpura, Kareda Khurd, SH-02 to Titriya vis Thali sardarpura, Devkisanpura Kareda Khurd Jaipur हेतु उपर्युक्त विद्युत श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा मय दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरीयड) शर्त सहित विद्युत कार्यो हेतु आमंत्रित की जाती है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया "https://eproc.rajasthan.gov.in" पर ऑन लाईन सम्पादित की जावेगी।

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp तथा http://eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

इच्छुक संवेदकों को ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। शुद्धि पत्र केवल http://eproc.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर अपलोड किए जाऐंगे।

(अरविन्द खत्री)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड-द्वितीय, जयपुर
मो. नं. 9829456575
ई-मेल-eeelectriciii@gmail.com

UBN NO.: PWD2526WSOB24490

DIPR/C/4381/2026

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

विभागीय दूरभाष नं. 0294-2415091 विभागीय एक्सटेंशन नंबर 211, 212 व 219

क्रमांक-निदे/अ.ख.अ. नीलामी/निलामी (QL 1)/2026/ई-14471

निलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली 2017 के अध्याय-।। के तहत अप्रधान खनिजों के 147 क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का आवंटन किये जाने के लिए ई-नीलामी के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
भीलवाडा	बिजौलियां	आरोली	सेण्डस्टोन	5
भीलवाडा	बिजौलियां	बृजपुरा	सेण्डस्टोन	21
चित्तौडगढ	निम्बाहेडा	बिनोता	लाइमस्टोन (खण्डा,पट्टी फर्शी)	2
चित्तौडगढ	निम्बाहेडा	बिनोता	लाइमस्टोन (खण्डा,पट्टी फर्शी)	13
भीलवाडा	बिजौलियां	खडीपुर	सेण्डस्टोन	3
भीलवाडा	बिजौलियां	पचानपुरा	सेण्डस्टोन	27
चित्तौडगढ	बंगू	रावडदा	सेण्डस्टोन	76
		कुल प्लॉट		147

क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.com एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd. की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

(महावीर प्रसाद मीणा)
निदेशक

DIPR/C/4065/2026

कार्यालय उप निदेशक
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जालोर

क्रमांक-201 — दिनांक-20.02.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (दर संविदा) सं. 04/2025-26

श्रीमान निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव महोदय के पत्रांक एफ.7 (2)()/रा.छा./सान्याअवि/2019/77994 जयपुर दिनांक 24.12.2019 एवं एफ 7(2)(03334)राछा/सान्याअवि/25/5537 जयपुर दिनांक 17.03.2025 की पालना में जिले में संचालित राजकीय छात्रावासों हेतु राशन सामग्री क्रय एवं आपर्ति हेतु जीएसटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत बोनाफाईड विनिर्माता/फर्मो/संस्था/कंपनी/एजेन्सी से निम्नलिखित राशन सामग्री क्रय हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु ई-निविदा (दर संविदा) आमंत्रित की जाती है-

क्र. सं.	सामान	अनुमानित लागत	अमानत राशि (अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत)	निविदा शुल्क	निविदा प्रक्रिया शुल्क
01	राशन सामग्री	140 लाख	280000/-	500/-	1000/-

ऑन लाईन बिडिंग के लिए निविदादाता का सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2010 के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र (DSC) होना आवश्यक है। निविदा दस्तावेज मय शर्ते http://www.eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं तकनीकी निविदा उन्हीं निविदादाताओं की खोली जावेगी जिनके द्वारा निर्धारित तिथि से पूर्व निविदा शुल्क निविदा प्रक्रिया शुल्क अमानत राशि (DEMAND DRAFT) के माध्यम से उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जालोर के नाम सारणी में अंकित मदों में जमा करवाकर चालान कार्यालय में जमा करवा दिया जावेगा।

इसके अभाव में तकनीकी निविदा असफल मानी जावेगी, जिसका विवरण निम्न है-

बोली अनुसूची

क्र.सं.	विषय		तारीख	समय
क्र.सं.	शुल्क का प्रकार	बजट मद		
01	निविदा शुल्क	0075-00-800-52-01		
02	निविदा प्रक्रिया शुल्क	8658-00-102-16-01		
03	अमानत राशि (DEMAND DRAFT)	Deputy Director social Justice and empowement Department, JALORE		
01	ई-प्रकाशन तिथि		20.02.2026	सुबह 11.00 बजे
02	दस्तावेज डाउनलोड प्रारंभ तिथि		20.02.2026	सुबह 11.00 बजे
03	दस्तावेज डाउनलोड अन्तिम तिथि		03.03.2026	शाम 6.00 बजे
04	बोली प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि		03.03.2026	शाम 6.00 बजे
05	निविदा शुल्क और प्रोसंसिंग शुल्क का ऑनलाईन चालान (ई ग्रास सिंगल चालान के माध्यम से) व अमानत राशि का (DEMAND DRAFT) कार्यालय में भौतिक रूप से जमा की जानी चाहिए		03.03.2026	शाम 6.00 बजे
06	तकनीकी बोली खोलने की तिथि		04.03.2026	सुबह 11.00 बजे

NIB CODE: SOC2526A0389
UBN: SOC2526SLRC00419

उप निदेशक
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग
जालोर

DIPR/C/4085/2026

नीमकाथाना : चिड़ीमार पहाड़ के आसपास अवैध खनन का कहर

सैकड़ों फीट गहरी खदानों में हर समय हादसे का खतरा बना रहता है

नीमकाथाना, (निसं)। हरियाणा बॉर्डर पर अवैध खनन ने भयावह रूप धारण कर लिया है। राजस्थान और हरियाणा की सीमा से सटे पाटन क्षेत्र की ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा के चिड़ीमार पहाड़, स्यालोदड़ा मोड़ तथा आसपास के इलाकों में गहरी खाइयां खोद दी गई हैं,

- **स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और इतनी गहराई में गिरने के बाद बच पाना लगभग असंभव हो जाता है**

जो अब मौत का कुआं बन चुकी हैं। सैकड़ों फीट गहरी इन खदानों में हर समय हादसे का खतरा बना रहता है।

चिड़ीमार पहाड़, स्यालोदड़ा मोड़ तथा आसपास के इलाकों में गहरी खाइयां खोद दी गई हैं, जो अब मौत का कुआं बन चुकी हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और इतनी गहराई में गिरने के बाद बच पाना लगभग असंभव हो जाता है। लगातार हो रही अवैध ब्लास्टिंग और क्रशर संचालन से क्षेत्र में दिनभर धूल-मिट्टी का गुबार छाया रहता है। इसका सीधा असर ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। चर्म रोग, आंखों में जलन, टीबी, सिलिकोसिस और फेफड़ों से जुड़ी गंभीर बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। अत्यधिक खनन के कारण जलस्तर भी लगातार नीचे जा रहा है, जिससे भविष्य में जल संकट गहराने की आशंका व्यक्त की जा रही है। ओवरलोड ट्रकों की निरंतर आवाजाही से सड़कें जर्जर हो चुकी हैं। इससे स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि दोनों राज्यों में सरकार अवैध खनन पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। वहीं प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

सैकेण्डरी परीक्षाओं के परिणाम जल्द जारी करने की कवायद विवादों में

- **बोर्ड द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की समय सीमा घटाने और प्रतिदिन कॉपियों की संख्या दोगुनी करने के निर्देशों पर राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम ने मोर्चा खोला**
- **शिक्षक संघ ने 60 कॉपियों के टारगेट का कड़ा विरोध किया, मूल्यांकन हड़बड़ी में गड़बड़ी होगी, संघ ने मुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री को पत्र लिखकर इन आदेशों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है**

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सैकेण्डरी परीक्षाओं के परिणाम जल्द जारी करने की कवायद अब विवादों के घेरे में आ गई है। बोर्ड द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की समय सीमा घटाने और प्रतिदिन कॉपियों की संख्या दोगुनी करने के निर्देशों पर राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम ने मोर्चा खोल दिया है।

राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के मुख्य संरक्षक सियाराम शर्मा एवं प्रदेशाध्यक्ष विजय सोनी ने सरकार के निर्देशों को अव्यावहारिक बताते हुए कहा कि यह गुणवत्ता पर खरा नहीं है। शिक्षक संघ का आरोप है कि बोर्ड प्रशासन ने मूल्यांकन की गुणवत्ता को ताक पर रखकर नए निर्देश जारी किए हैं। संघ ने मुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री को पत्र लिखकर इन आदेशों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

मूल्यांकन की गुणवत्ता होगी प्रभावित :- संघ के अनुसार बोर्ड की ओर से जारी मूल्यांकन दिशा निर्देशों के बिंदु संख्या 7 के उपबिंदु 3 में परीक्षक के लिए प्रतिदिन 30 उत्तर पुस्तिकाओं का अंकन निर्धारित है। साथ ही बंडल प्राप्त होने की तिथि से 17 दिन में मूल्यांकन पूरा कर अंक ऑनलाइन भेजने का प्रावधान है। शिक्षक संघ का आरोप है कि बोर्ड प्रशासन ने अलग आदेश जारी कर प्रतिदिन 60 कॉपियां जांचने के निर्देश दिए, जो व्यावहारिक नहीं हैं। कॉपियां जांचने के दबाव से मूल्यांकन की गुणवत्ता प्रभावित तो होगी, जिसका असर लाखों विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ेगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में शिक्षक बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाओं में भी व्यस्त हैं। 7 मार्च से स्थानीय परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं, ऐसे में शिक्षकों पर मानसिक तनाव बढ़ना तय है। संघ के प्रतिनिधियों का कहना रहा कि एक तरफ दबाव बढ़ाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर मूल्यांकन में गलती होने पर सारी जिम्मेदारी परिक्षक (शिक्षक) पर ही मढ़ दी जाती है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हड़बड़ी में परिणाम जारी करने के चक्कर में नियमों के विरुद्ध आदेश जारी करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यदि इन आदेशों को वापस नहीं लिया गया, तो शिक्षक संघ आंदोलनात्मक कदम उठाने को मजबूर होगा।

अजमेर में राजस्व मंडल के बाहर प्रदेश के गिरदावरों का धरना शुरू

अजमेर, (कासं)। प्रदेश के भू-अभिलेख निरीक्षक (गिरदावर) गुरुवार से राजस्व मंडल के बाहर दो दिवसीय धरना-प्रदर्शन पर बैठ गए। नियमित डीपीसी नहीं किए जाने तथा राज्य सरकार की सहमति के बाद भी आदेशों की पालना नहीं होने के विरोध में यह आंदोलन शुरू किया गया है। धरने में प्रदेशभर से आए गिरदावर बड़ी संख्या में शामिल हुए।

राजस्थान कानूनगो संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कार्मिक विभाग की सहमति मिलने के बावजूद जोधपुर संभाग की रिव्यू डीपीसी के संबंध में राज्य सरकार के आदेशों की पालना नहीं की जा रही है। इसके अलावा वर्ष 2025-26 की आईएलआर से नायब तहसीलदार पद पर पदोन्नति के लिए नियमित डीपीसी भी लंबित है। संघ के अनुसार समय पर डीपीसी नहीं होने से कई वरिष्ठ आईएलआर बिना पदोन्नति पाए ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि कई अधिकारी रिटायरमेंट के नजदीक हैं। यदि शीघ्र नियमित डीपीसी नहीं की गई तो अनेक अधिकारी पदोन्नति के अधिकार से वंचित रह जाएंगे। धरना-प्रदर्शन के दौरान गिरदावरों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की।

जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन में जिप्सी ने केंद्रीय स्कूल के छात्र को टक्कर मारी

- **फुटपाथ पर चलते जिप्सी के सामने आ गया था छात्र**
- **डॉक्टरों के अनुसार, छात्र के सिर में "इंटरनल इंजरी" की संभावना है, स्थिति चिंताजनक**

जैसलमेर, (नि.सं.)। एयरफोर्स स्टेशन परिसर में गुरुवार दोपहर को स्कूल से घर लौट रहे केंद्रीय विद्यालय के कक्षा चार के एक छात्र को भारतीय वायुसेना की तेज रफ्तार जिप्सी ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि छात्र के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घायल छात्र पुष्पेंद्रसिंह (11) को प्राथमिक उपचार के बाद जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल लाया गया, उसकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे उच्च उपचार के लिए जोधपुर रेफर किया है।

जानकारी के अनुसार एयरफोर्स स्टेशन स्थित केंद्रीय विद्यालय में दोपहर 3 बजे छुट्टी के बाद अन्य बच्चों की तरह पुष्पेंद्रसिंह पुत्र जालमसिंह निवासी बीदा जैसलमेर अपने दोस्तों के साथ पैदल ही एयरफोर्स स्टेशन से बाहर की ओर निकल रहा था। बताया जा रहा है कि पुष्पेंद्र सड़क किनारे फुटपाथ पर चल रहा था, तभी अचानक वह किसी कारणवश फुटपाथ से नीचे सड़क पर उतरा। इसी दौरान वहां से गुजर रही वायुसेना की एक जिप्सी ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पुष्पेंद्र लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद अन्य बच्चों और सुरक्षाकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। वायुसेना के जवानों ने तुरंत घायल छात्र को स्टेशन स्थित मिलिट्री हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे एंबुलेंस के जरिए शहर के जवाहिर हॉस्पिटल लाया गया। जवाहिर हॉस्पिटल के डॉक्टरों के अनुसार, छात्र के सिर में "इंटरनल इंजरी" की संभावना है और उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस की टीम जवाहिर हॉस्पिटल पहुंची। पुलिस ने परिजनों से घटना की जानकारी ली। कोतवाली पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि हादसा वाहन की तेज गति के कारण हुआ या यह एक दुर्भाग्यपूर्ण तकनीकी चूक थी। फिलहाल पुलिस हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए एयरफोर्स स्टेशन के संबंधित अधिकारियों से संपर्क साध रही है। हादसे की खबर मिलते ही छात्र के गांव बीदा और परिजनों में कोहराम मच गया।

दुष्कर्मी को 20 वर्ष की सजा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की एक विशेष अदालत ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में त्वरित न्याय करते हुए आरोपी को कड़ी सजा सुनाई है। न्यायाधीश श्रीबालकृष्ण मिश्र ने आरोपी जाहिद मोहम्मद उर्फ मोतिया को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास और 65 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

जानकारी के अनुसार 11 नवंबर 2024 को गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के एक प्रार्थी ने अपनी 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि मोहम्मद जाहिद उर्फ मोतिया उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर पीड़िता की तलाश शुरू की और उसे दस्तयाब किया। पुलिस पूछताछ और बयानों में पीड़िता ने बताया कि आरोपी जाहिद ने पहले उसे बहला-फुसलाकर दोस्ती की। जब पीड़िता ने उसके साथ जाने से मना किया, तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोपी उसे जोधपुर ले गया, जहाँ एक होटल में उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी उसे दिल्ली और अजमेर भी ले गया, जहाँ उसे बंधक बनाकर रखा गया और लगातार बलात्कार किया गया। गुलाबपुरा थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और मेडिकल जांच के बाद चार्जशीट कोर्ट में पेश की।

कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर

Email:-dlo.jlr@rajasthan.gov.in, पता:- नर्मदा कॉलोनी, सामतीपुरा रोड़, जालोर

क्रमांक / सान्याअवि/2026/208 — दिनांक:-20.02.2026

ई-निविदा सूचनाः रसोइया / चौकीदार / कम्प्यूटर ऑपरेटर

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान लोक उपापन मे पारदर्शिता अधिनियम, 2012 एवं नियम 2013 के अन्तर्गत मानव संसाधन की सेवाओ के उपापनो के सम्बन्ध मे वित्त विभाग के आदेश क्रमांक एफ 2 (1) वित्त / एसपीएफसी / 2017 संख्या 1/2018 जयपुर दिनांक 30.04.2018 एवं श्रीमान निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव सान्याअवि के पत्रांक 1688 दिनांक 20.02.2024 के तहत् वित्तीय वर्ष 2026-27 (1) मार्च 2026 से फरवरी 2027) तक एवं निदेशालय के निर्देशानुसार कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर में जॉब बेसिस पर कार्य कराने हेतु इच्छुक श्रम आपूर्तिकर्ताओ/स्वंय सहायता समूहो/ संवेदक से निम्नानुसार ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं-

क्र. सं.	जॉब कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित वार्षिक लागत राशि रू.	02 प्रतिशत धरोहर राशि रू.	निविदा शुल्क राशि रू.	आर.आई. एस.एल. प्रक्रिया शुल्क
1	रसोईया, चौकीदार एवं कम्प्यूटर मैन विथ माशीन जॉब बेसिस पर उपलब्ध कराने बाबत	6000000/-	120000/-	500/-	1000/-

ई-निविदा कार्यक्रम

1	ई प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डाटासीट इत्याद्दि डाउनलोड करने की प्रारंभ तिथि व समय	17.02.2026	10:00 AM
2	ई प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रस्तुत करने की प्रारंभतिथि व समय	17.02.2026	10:00 AM
3	ई प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डाटासीट इत्याद्दि अपलोड करने की अन्तिम तिथि व समय	03.03.2026	06:00 PM
4	अमानत राशि, निविदा शुल्क एवं आर.आई. एस.एल. प्रक्रिया शुल्क एवं मूल निविदा दस्तावेज कार्यालय मे प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय	03.03.2026	06:00 PM
5	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	04.03.2026	11:00 AM

ऑन-लाईन बिडिंग के लिए निविदादाता का सूचना प्रौधोगिक अधिनियम 2000 के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र (DSC) होना आवश्यक हैं। निविदा दस्तावेज मय शर्ते sjerajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। तकनीकी निविदा उन्ही निविदादाताओं की खोली जायेगी जिनके द्वारा निविदा प्रतिभूति राशि के डिमाण्ड ड्राफ्ट जो की उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर के नाम तथा निविदा प्रपत्र शुल्क ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 500 रू एवं RISL ई निविदा प्रक्रिया शुल्क राशि ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 1000/- रूपयें Managing Director, RISL, Jaipur (Pay able at Jaipur) के नाम से निर्धारित मूल शपथ पत्र आदि दस्तावेज नियत तिथि एवं समय तक कार्यालय में प्रस्तुत कर दी गई होगी। तकनीकी निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित हो जाने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जावेगी। उक्त निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को होगा।

NIB CODE: SOC2526A0389
UBN: SOC2526SLRC00419

उप निदेशक
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जालोर

DIPR/C/4092/2026

कार्यालय श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल मण्डफिया, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/लेखा/श्रीसांमंम/2025-26/2775 — दिनांक:- 25.02.2026

-: ई- निविदा सूचना- 26/2025-26 :-

श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल, मण्डफिया द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु पंजिकृत व योग्य संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत विवरण व अन्य शर्ते http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर दिनांक 27.02.2026 को प्रात: 9:00 बजे से उपलब्ध होकर दिनांक 18.03.2026 सायं 06:00 बजे तक ऑन लाईन सबमिट किये जा सकते है जिनकी तकनीकी निविदाए दिनांक 20.03.2026 को दोपहर 12:00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। निविदा संबंधी शुल्क व राशियां निविदा प्रपत्र में अंकित बैंक खाते में जमा करवानी होगी।

क्र	कार्य का विवरण	अनु.लागत (लाखो में)	UBN
1.	Providing & Fixing Ornamental Carved Sheesham Wooden Door For Temple At Shri Sanwaliya Ji Mandir Mandal Mandfiya.	14.00	SMM2526WSOB00090
2.	SITC of Servo Voltage Stabilizer work in S.S.M.M., Mandfiya.	19.00	SMM2526WSOB00091
3.	SITC of CCTV Surveillance System at New Dharmshala at Mandfiya.	47.00	SMM2526WSOB00092
4.	SITC of Transformer and other electric work at New Dharmshala in shree sanwaliya ji mandir mandal Mandfiya.	47.00	SMM2526WSOB00093
5.	SITC of High Mast Lighting System at 16 Village in Shree Sanwaliya ji Mandir Mandal.	66.00	SMM2526WSOB00094
6.	SITC of Ceiling Mounted direct drive HVLS fan in Shri Sanwaliyaji Temple at Mandfhiya.	68.00	SMM2526WSOB00095
7.	Painting & Rajasthani Art Work At SSMM Campus, Mandfiya.	100.00	SMM2526WSOB00096
8.	Development Work of Mokshdham at Karoli Village.	129.00	SMM2526WSOB00097
9.	SITC of CCTV Surveillance System at Campus of Shri Sanwaliya ji Mandir at Mandafiya.	254.00	SMM2526WSOB00098
10.	Construction of boundary Wall, Shed, Development of School Ground at Mandafiya.	390.00	SMM2526WSOB00099
11.	Construction of Patwar Bhawan At Mandfiya	29.00	SMM2526WSOB00100
12.	Supplying and fixing of Brass Railing, Bhandar & Gate of Shri Sanwaliya Ji Mandir At Mandfiya.	500.00	SMM2526WSOB00101
13.	Construction of Road From Bhatoli Gujran To Nalyakhera-Nadakhera Road, Bhatoli gujran, Kuretha to Tandikhera Road.	812.00	SMM2526WLOB00102

मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री साँवलियाजी मंदिर मण्डल

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग, वृत धौलपुर

फोन नं. 05642-223075 — E-mail ID: SE.DHO.PHED@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक- 4616-22 — **ई निविदा सूचना** — दिनांक-13.02.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्ल्यू.एफ.एण्डए.आर. पार्ट II अपेण्डिक्स 16 दिनांक 1.7.99 से लागू एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रों (आज तक) के अनुरूप विभाग में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं जो निविदा प्रपत्रों में वांछित योग्यता रखते हो से निम्न कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के द्वारा निविदायें आमंत्रित की जाती है। यह निविदा सूचना http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। तथा निविदा प्रपत्र http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउन लोड एवं अपलोड किये जा सकते है।

NIT No	Name of work	Estt.cost (Rs.in Lacs)	Tender Fees	Eamest money 2%	Eamest money 1/2%	Last data & time for online SUBMISSION of Document	Original Document SUBMITING	Bid opening date & time	NIB No PHE2526 6437
09/2025 26	Work of Drilling of 125mm Nominal diameter bore hole for Hand Pumps and installation of India Mark if Hand Pump in Sandy Strate complete with material & labour charges in Div. Dholpur of District Dholpur (Urban/Rural)	125.00	2000	250000	62500	04.03.2026 06.00 PM	05.03.2026 up to 12 PM	05.03.2026 01.30 PM	UBN NO., PHE2526 WSOB13953

(राजकिरण यादव)
अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वा.अभि. विभाग, वृत धौलपुर

DIPR/C/3551/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग खण्ड भीनमाल

मालवीय नगर भीनमाल 343029

फोन नं. 02969-220120 — E-Mail:- phedbhin@gmail.com

क्रमाकः-अअ/जनस्वा/भी./त.स./2025-26/2725-2739 — दिनांकः- 20/2/2026

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 45-47/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड भीनमाल में निम्नलिखित कार्यों के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत जो उपयुक्त पात्रता रखते हैं, संवेदको से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है। निविदा का विस्तृत विवरण एवं पात्रता की शर्ते वेबसाईट www.dipronline.org, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा ऑनलाईन इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट http://eproc.rajasthan.gov.in में प्रस्तुत की जानी है।

बिड संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाखों मे)	धरोहर राशि (लाख रू.) 2 प्रतिशत	बिड शुल्क रू.	ई-प्रकिया रु. शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	UBIN No.
45/2025-26	Repair & preventive maintenance of Centrifugal Pump Sets of pumphouses and their panels, Sumbersible Pump Sets and their panel of Tube Well and Running of Pumphuses at Modara, Serna & Junjani Head Works With Daily Valve Operation in water supply scheme Modara, Serna, Dhansa, Junjani, Dhumbadiya & Morseem under Sub Division Bhinmal Rural in Division Bhinmal (Jalore)	24.57	49140/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526 WSRC14695
46/2025-26	Repair & preventive maintenance of Centrifugal Pump Sets of pumphouses and their panels and Sumbersible Pump Sets and their panel of Tube Well and Running of Pumphouses Sewadiya, Devpura & Pooran Head Works With Daily Valve Operation in water supply scheme Raniwara Kallan, Badgaon & Pooran under Sub Division Raniwara in Division Bhinmal (Jalore)	16.43	32860/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526 WSRC14698
47/2025-26	Repair & preventive maintenance of Centrifugal Pump Sets of pumphouses and their panels and Sumbersible Pump Sets and their panel of Tube Well and Running of Pumphouses Basra Dhanji Head Works With Daily Valve Operation in water supply scheme Basra Dhanji under Sub Division Jaswantpura in Division Bhinmal (Jalore)	4.27	8540/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526 WSRC14699

निविदादाता को आईटी एक्ट 2000 के तहत डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट प्राप्त कर डिजिटल हस्ताक्षर युक्त निविदा प्रस्तुत करनी होगी। इसके अभाव में निविदा मान्य नहीं होगी।

पानी बचाओं-जीवन बचाओं

निविदा प्रपत्र उपलब्ध होने की तिथि	21.02.2026
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	04.03.2026 मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय	04.03.2026 मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक
प्री-क्वालिफिकेशन बीड खोलने की तिथि एवं समय	04.03.2026 मध्यान्ह पश्चात् 3.30 बजे

(प्रशान्त कुमार)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा. अभि. विभाग
खण्ड भीनमाल

DIPR/C/4189/2026

क्षतिग्रस्त सड़कों के लिए 1400 करोड़ का प्रावधान

जयपुर (विसं)। उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री दिया कुमारी ने विधानसभा में घोषणा की कि प्रदेश में नॉन-पेचेबल और क्षतिग्रस्त सड़कों के नवीनीकरण व सुदृढीकरण के लिए वर्ष 2026-27 के बजट में 1400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

प्रश्नकाल के दौरान विधायक राजेंद्र गुर्जर द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्नों के उत्तर में मंत्री ने बताया कि देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में 6 सडकों के नवीनीकरण और 15 पुलियाओं की मरम्मत के लिए 17.15 करोड रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। इनमें से 2 सडक कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 4 कार्य प्रगति पर हैं। वर्षा और अन्य कारणों से क्षितग्रस्त सड़कों का भी प्राथमिकता के आधार पर नवीनीकरण प्रस्तावित है।मंत्री ने लिखित जवाब में बताया कि देवली-उनियारा क्षेत्र में कुल 52 पुलियाएं क्षतिग्रस्त हुई थीं, जिनमें से 15 कार्य स्वीकृत किए गए।

इनमें 1 कार्य पूर्ण, 12 प्रगतिरत हैं। शेष 2 कार्यों स्टेट हाईवे-29 से अनवार नगर तथा गुराई से जेल रोड में से एक कार्य को निरस्त कर राशि को दूसरे कार्य में समायोजित करने की अनुशंसा की गई है।

'गौवंश के लिए 25 प्रतिशत बढ़ाया अनुदान'

जयपुर (विसं)। गौपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार गौशालाओं एवं नन्दीशालाओं को नियमित रूप से अनुदान उपलब्ध करा रही है। हमारी सरकार ने अनुदान राशि में 25 प्रतिशत वृद्धि की है। इसके बाद भी नियमानुसार राशि में वृद्धि की गई है। मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक हरलाल सहारण के पूरक प्रश्नों के जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि गौशालाओं को 9 व नन्दीशालाओं को 12 माह का अनुदान दिया जा रहा है। दिव्यांग एवं दृष्टिबाधित गौवंश के लिए 12 माह सहायता राशि दी जा रही है। इससे पहले मूल प्रश्न के लिखित जवाब में गोपालन मंत्री ने बताया कि चूरू में 278 गौशालाएं पंजीकृत हैं। राजस्थान गौ-संरक्षण एवं संवर्धन निधि नियम, 2016 (संशोधित 2021) के अंतर्गत वित्त वर्ष 2016-17 से पात्र गौशालाओं में गौवंश को चारा-पानी एवं पशु आहार के लिए 270 दिवस सहायता राशि दो चरणों में दी जाती है। वर्तमान में बड़े गौवंश के लिए 50 रुपये तथा छोटे गौवंश के लिए 25 रुपये प्रतिदिन सहायता दी जा रही है। मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि विभाग की अन्य योजनाओं के तहत भी पात्र गौशालाओं को आधारभूत परिसम्पत्तियों के निर्माण के लिए सहायता राशि देने का प्रावधान है।

हड़ताल के तीसरे दिन उग्र हुआ बस ऑपरेटरों का आक्रोश

दौसा के महुआ में प्रदर्शनकारियों ने बस ड्राईवर को नीचे उतारकर जूतों की माला पहनाई, तो बीकानेर में परीक्षा केन्द्र नहीं पहुंचने पर छात्राओं के आंसू छलके

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में निजी बस ऑपरेटरों की हड़ताल गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रही। सरकार की ओर से वार्ता की कोई पहल नहीं होने के कारण बस ऑपरेटरों का धैर्य जवाब दे रहा है और अब यह आंदोलन शांतिपूर्ण से उग्र रूप अख्तियार करने लगा है। राजधानी जयपुर सहित प्रदेशभर में करीब 35 हजार बसों के पहिए थमे रहने से आम जनता, परीक्षार्थी और फाल्गुन मेले में जा रहे श्रद्धालु बेहाल है।

वहीं जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर गुरुवार को प्रदर्शन का हिंसक चेहरा सामने आया। हड़ताली ऑपरेटर्स ने जबरन निजी बसें रुकवाई और नियमों की अवहेलना कर बस चलाने वाले चालक-परिचालकों के साथ धक्का-मुक्की की। दौसा के महुआ में प्रदर्शनकारियों ने एक बस कंडक्टर को जबरन नीचे उतारकर जूतों की माला पहना दी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

अलवर में भी ऑपरेटरों ने सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इधर खाटू श्याम जी का लक्खी फाल्गुन मेला चल रहा है, जहां लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बसों की अनुपलब्धता के कारण श्रद्धालुओं को भारी असुविधा हो रही है। दूसरी ओर, होली का पर्व नजदीक होने के कारण घर जाने वाले प्रवासी श्रमिक और यात्री बस अड्डों पर फंसे हुए हैं। बीकानेर के नापासर में हृदयविदारक स्थिति दिखी, जहां परीक्षा केंद्र जाने के लिए साधन न मिलने पर छात्राएं सड़क पर ही फूट-फूटकर रोने लगीं।

ऑल राजस्थान कांटेक्ट कैरिज बस ऑपरेटर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मदन यादव का कहना है कि वे संवाद के पक्षधर हैं, लेकिन सरकार की चुप्पी ने असंतोष पैदा कर दिया है।

एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण साहू ने चेतावनी दी है कि जब तक मांगें नहीं मानी जातीं,हडताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि इस हडताल से न केवल जनता परेशान है, बल्कि सरकार को भी टोल और डीजल वैट के रूप में करोडों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

बस संगठनों का आरोप है कि सरकार वार्ता के बजाय प्रशासनिक दबाव से आंदोलन को कुचलना चाहती है। ऑपरेटरों के अनुसार यह व्यवसाय हजारों परिवारों का आधार है, जिन पर अब संकट मंडरा रहा है।

राजधानी जयपुर में निजी बस ऑपरेटर्स ने गुरूवार को नारेबाजी कर विरोध जताया।

- सरकार की चुप्पी से लगातार बढ़ रहा है गतिरोध, 35 हजार बसों के पहिए थमने से प्रदेश में हाहाकार

सदन के गतिरोध पर कांग्रेस की रणनीतिक बैठक आज

जयपुर (विसं)। कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार सुबह आयोजित की जाएगी। यह बैठक सुबह 10:15 बजे की विपक्ष लॉबी में होगी। बैठक की अध्यक्षता नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली करेंगे। सदन में हाल ही में उपजे गतिरोध और लगातार हो रहे हंगामे को देखते हुए इस बैठक को बेहद अहम माना जा रहा है। कांग्रेस विधायक दल सरकार की कार्यशैली, सदन में विपक्ष को बोलने का अवसर न मिलने और विभिन्न जनहित मुद्दों पर चर्चा नहीं होने जैसे विषयों पर अपनी रणनीति तय करेगा। सूत्रों के अनुसार, बैठक में यह भी विचार किया जाएगा कि आगामी कार्यवाही के दौरान कांग्रेस किस तरह सरकार को घेरने की रणनीति अपनाए। विपक्ष राज्य में कानून-व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी और किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व ने सभी विधायकों को समय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि एकजुटता का संदेश दिया जा सके। बैठक में सदन के भीतर और बाहर आंदोलन की संभावनाओं पर भी चर्चा हो सकती है।

'पारंपरिक उपचार पद्धितयाँ सिर्फ आस्था नहीं, भविष्य की उम्मीद'

हरिद्वार (कासं)। पतंजलि अनुसन्धान संस्थान और पतंजलि विश्विद्यालय की ओर से गुरूवार को 2 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "प्लांट्स टू पेशेंट्स सीरीज 4- एथनोफॉर्मोकोलॉजी बियोंड टाइम्स" पूर्ण हुआ। सम्मेलन से विश्व को संदेश दिया गया कि, पारंपरिक उपचार पद्धितयाँ केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि वैज्ञानिक परीक्षण और प्रमाण के माध्यम से भविष्य की वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था का सशक्त आधार बन सकती है।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पेरूजिया विश्वविद्यालय, इटली और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलोजी के प्रेजिडेंट, प्रोफेसर डोमेनिको विटोरियो डेलफिनो, कोट दअज़ूर विश्वविद्यालय, फ्रांस से प्रोफेसर लुई-फेलिक्स नॉटियस, ग्राज विश्विद्यालय, आस्ट्रिया से प्रोफेसर रुडोल्फ बाउर, नीदरलैंड्स से एल्सेवियर प्रकाशन की सीनियर पब्लिशर, प्रोफेसर ऐन मैरी शोनी-पोरडॉन, माए फ़ा लुआंग विश्विद्यालय, थाईलैंड से प्रोफेसर तिडारैट डुआंग्योट, सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलोजी के संस्थापक पुलक के. मुखर्जी, एम्स, कल्याणी से प्रोफेसर वाई. के. गुप्ता, एम्स, ऋषिकेश की प्रोफेसर मीनू सिंह और उनके साथ प्रोफेसर पुनीत धामिजा, , नई दिल्ली से प्रोफेसर (मेजर) एम. डी. रे, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुंबई से प्रोफेसर विक्रम गोटा, एवं प्रोफेसर संजय जाचक शरीक हुए।

इन वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सा विशेषज्ञों ने आयुर्वेद, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा के समन्वय पर मंथन किया।

स्वामी रामदेव ने कहा कि शोध और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित चिकित्सा विज्ञान और वैदिक सनातन ज्ञान का संगम ही भविष्य की चिकित्सा पद्धित की दिशा सुनिश्चित कर सकता है। हजारों वर्षों से संरक्षित भारतीय चिकित्सा ज्ञान को वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना समय की आवश्यकता है और पतंजलि एक वैश्विक केंद्र के रूप में प्रमाण-आधारित भारतीय चिकित्सा को विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि विश्वभर में आयुर्वेद और सिद्ध चिकित्सा पद्धित के साथ ही यूनानी, मिस्त्र, ग्रीक, तिब्बती, चीनी, जापानी, कोरियाई चिकित्सा पद्धित विद्यमान है, आवश्यकता है इन चिकित्सा पद्धितयों को शोध और साइंटिफिक वैलिडेशन के साथ विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने की, जिससे एक होलिस्टिक और प्रिवेंटिव हेल्थ केयर मॉडल और ग्लोबल हेल्थ का एक सशक्त माध्यम बन सके जिससे जनमानस को रोगों के लिए एक सुगम, सुरक्षित, सुलभ समाधान मिले।

पतंजलि के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि जब प्राचीन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर परखा जाता है।

विधानसभा में गूंजा निजी बसों की हड़ताल का मुद्दा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बीते 3 दिन से चल रही प्राइवेट बसों की हड़ताल का मामला गुरूवार को विधानसभा में गूंजा। कांग्रेस विधायक शिखा मील बराला और निर्दलीय चंद्रभान सिंह आक्या ने शून्यकाल में सरकार से आग्रह किया कि हड़ताल तत्काल खत्म करवाई जाए। चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा कि हड़ताल के कारण यात्री, विशेषकर खाटू श्यामजी जाने वाले लोग परेशान हैं। सामान्य दिनों में 35 हजार प्राइवेट बसें चलती हैं, लेकिन फिलहाल केवल 33 प्रतिशत ही बसें ही चल रही हैं। आक्या ने यह भी कहा कि छोटी गाड़ियों पर अवैध तरीके से चालान लगाया जा रहा है, जिससे आम लोग शोषित हो रहे हैं।कांग्रेस विधायक शिखा मील बराला ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हड़ताल से रोजगार प्रभावित हुआ है। करीब 35 हजार बसों की हड़ताल के कारण 3.50 लाख से अधिक लोग बेरोजगार हो गए हैं। होली का त्यौहार आने वाला है और मजदूर अपने घर नहीं जा पा रहे, मरीज अस्पताल तक नहीं पहुंच पा रहे।

बराला ने खाटूश्यामजी मेले में दूसरे राज्यों से आए हजारों लोगों की परेशानी का हवाला देते हुए कहा कि टैक्सी वाले भी 70 किलोमीटर के लिए 7000 रुपए ले रहे हैं। उन्होंने सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए कहा कि आम जनता पर जो बोझ है वह सरकार की अकर्मण्यता का परिणाम है।

विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की रैली के लिए बस ऑपरेटर्स से चुपचाप संपर्क किया जा रहा है, लेकिन वास्तविक वार्ता नहीं हो रही। पहले 23 मांगें थीं, फिर 14 और अब 9 मांगों पर वार्ता हो रही है। बराला ने कहा कि हड़ताल के मुद्दे का समाधान बातचीत के जरिए किया जाना चाहिए और प्राइवेट बस ऑपरेटर्स की मांगों में "वन इंडिया वन टैक्स" शामिल है। उन्होंने पूछा कि अगर सरकार "वन नेशन, वन इलेक्शन" और "वन नेशन, वन आधार" जैसी नीतियों की बात कर सकती है, तो आम लोगों को अधिकार देने की बात क्यों नहीं कर सकती।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बदल रहा औद्योगिक परिदृश्य

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश को निवेश एवं उद्योग में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की मंशा है कि प्रदेश में उद्योगों के लिए बेहतर आधारभूत संरचनाएं, विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्कों का विकास, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सहित विभिन्न नवाचारों से राजस्थान को देश में उद्योग का प्रमुख डेस्टिनेशन बनाया जाए। इसी क्रम में सरकार द्वारा औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 लाई जाएगी। इस नीति का मंत्रिमंडल द्वारा हाल ही में अनुमोदन किया गया है। इस नीति से राज्य में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी। साथ ही, इससे निवेश को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन तथा सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास भी सुनिश्चित होगा।

- राज्य सरकार जल्द ही औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 लाएगी

इस नीति के तहत निजी क्षेत्रों में औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए चार विकास मॉडल निर्धारित किए गए हैं। मॉडल-ए के तहत पूर्णत: रीको द्वारा आवंटित भूमि पर विकास किया जाएगा। वहीं, मॉडल-बी के अंतर्गत औद्योगिक पार्क के लिए 80 प्रतिशत भूमि विकासकर्ता द्वारा अधिग्रहण की जाएगी एवं शेष 20 प्रतिशत भूमि रीको द्वारा निर्धारित दरों पर उपलब्ध होगी। इसी तरह, मॉडल-सी के तहत पार्क के लिए संपूर्ण भूमि की विकासकर्ता द्वारा व्यवस्था की जाएगी तथा मॉडल-डी पीपीपी मॉडल पर आधारित होगा।

नीति के तहत निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्कों के लिए कम से कम 50 एकड़ क्षेत्रफल तथा न्यूनतम 10 औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होगी। इस नीति के अंतर्गत प्रथम 10 औद्योगिक पार्क डवलपर्स को सामान्य अवसंरचना विकास पर 20 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान दिया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा 100 एकड़ तक के पार्क हेतु 20 करोड़ रुपए, 100 से 250 एकड़ हेतु 30 करोड़ तथा 250 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल हेतु 40 करोड़ रुपए होगी। इस नीति के तहत हरित विकास को बढ़ावा तथा औद्योगिक प्रदूषण को भी कम किया जाएगा, इस हेतु सीईटीपी पर व्यय का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (अधिकतम 12.5 करोड़ रुपए प्रति पार्क) का प्रावधान किया गया है।

दुल्हन सौदेबाजी गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस की सीआईडी अपराध शाखा विंग ने दुल्हन बेचने वाले अंतरराज्यीय सिंडिकेट के खिलाफ अपना शिकंजा करते हुए गिरोह के मुख्य सरगना भंवरलाल शर्मा की गिरफ्तारी के ठीक बाद सीआईडी टीम ने एक और कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी महावीर सुथार को जयपुर के मानसरोवर स्थित भारत माता सर्किल से दस्तयाब कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर बालोतरा पुलिस की ओर से दस हजार रुपये का इनाम घोषित है।

यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस बिपिन कुमार पाण्डेय के निर्देशन में की गई। पुलिस अधीक्षक सीआईडी सीबी ज्येष्ठा मैत्रयी के सुपरविजन में गठित टीम के प्रभारी एसआई शैलेन्द्र शर्मा व सदस्य कांस्टेबल बृजेश शर्मा को सूचना मिली थी कि इस गैंग का सक्रिय सदस्य महावीर निवासी उनियारा टोंक जयपुर के मानसरोवर इलाके में छिपा है। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भारत माता सर्किल पर जाल बिछाया और आरोपी को दबोच लिया।।

पशुधन बीमा योजना को लेकर विधानसभा में घमासान मचा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान पशुधन बीमा योजना को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच जोरदार टकराव देखने को मिला। कांग्रेस विधायक द्वारा पूछे गए सवाल पर पशुपालन मंत्री के जवाब से विपक्ष संतुष्ट नहीं हुआ और देखते ही देखते मामला तीखी नोकझोंक में बदल गया। आरोप-प्रत्यारोप और तंज कसने के बीच सदन में हंगामे की स्थिति बन गई।

पूरक प्रश्न के दौरान हरीश चौधरी ने कहा कि पशुपालन मंत्री सीधे-साधे और सज्जन व्यक्ति हैं। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि बाड़मेर में गैर संवैधानिक पावर सेंटर उन्हें काम नहीं करने देते और पाली में भी दबाव की स्थिति रहती है। बाड़मेर में प्रभारी मंत्री है, वहां पर गैर सवैधानिक ताकते काम नही करने देते हैं। पाली में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ काम नहीं करने देते हैं। ऐसे में इन सीधे-साधे मंत्री को संरक्षण दिया जाना चाहिए।

हरीश चौधरी के इस बयान पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। मंत्री जोराराम कुमावत ने इसे गलत बताते हुए विरोध दर्ज कराया। संसदीय कार्य मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस अपनी संस्कृति का परिचय दे रही है। उन्होंने सवाल किया कि हरीश चौधरी को मंत्री पद से क्यों हटाया गया था।

- 42 लाख के लक्ष्य पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में टकराव

हरीश चौधरी ने कहा कि उनके मूल सवाल का जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने पूछा कि राजस्थान में बीमा कंपनियों को कितना प्रीमियम दिया गया है और कितने पशुपालकों को वास्तविक लाभ मिला है।

इस पर मंत्री जोराराम कुमावत ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2023-24 में मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना शुरू की गई थी, जिसके तहत दो दुधारू गाय-भैंस का बीमा करने की घोषणा हुई। महंगाई राहत शिविरों में करीब 1 करोड़ 10 लाख पशुपालकों से आवेदन लिए गए, लेकिन सिर्फ 1764 पशुओं का बीमा किया गया। 23 क्लेम दावे प्राप्त हुए, जिनमें से एक भी भुगतान पशुपालकों को नहीं हुआ।

मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार के आने के बाद 7 लाख 33 हजार रुपए का भुगतान किया गया और अब व्यापक स्तर पर योजना को लागू किया जा रहा है। पशुपालन मंत्री ने बताया कि इस वर्ष 42 लाख पशुओं का बीमा करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 31 लाख 10 हजार 735 पशुओं का पंजीकरण किया जा चुका है और 16 लाख से अधिक पशुपालकों को पॉलिसी जारी कर दी गई है। शेष पशुओं का बीमा भी इसी वित्तीय वर्ष में पूरा कर लिया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने पूरक सवाल उठाते हुए कहा कि मार्च तक 42 लाख का लक्ष्य तय किया गया था, जबकि अब केवल एक महीना शेष है। उन्होंने सरकार से पूछा कि इतने कम समय में शेष लाखों पशुओं का बीमा कैसे किया जाएगा?

बहस के दौरान सरकारी मुख्य सचेतक भी बीच में बोलने लगे। जूली ने ऊंची आवाज में जवाब मांगा तो गर्ग ने कांग्रेस पर बदतमीजी का आरोप लगाते हुए कहा कि सदन में विनम्रता रखनी चाहिए, मंत्री किसी के गुलाम नहीं हैं। हंगामे की स्थिति बनती देख स्पीकर ने अगला सवाल पुकार लिया और माहौल को शांत करने की कोशिश की। हालांकि पशुधन बीमा योजना को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच आंकड़ों और दावों की जंग जारी रही।

विधानसभा में डोटासरा-दिलावर और जोगाराम पटेल के बीच तीखी नोकझोंक

तीनों नेताओं के बीच पंचायत चुनाव के मुद्दे पर शुरू हुई बहस जब निजी आरोपों व टिप्पणियों पर जा पहुंची तो देखते ही देखते सदन का माहौल अखाड़े जैसा बन गया

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में गुरुवार को ग्रामीण विकास और पंचायतीराज विभाग की अनुदान मांगों पर बहस के समय सदन अखाड़ा बन गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और सत्ता पक्ष के मंत्रियों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके चलते सदन में कई बार हंगामे की स्थिति पैदा हुई। डोटासरा ने जहाँ सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, वहीं मंत्रियों ने उनके कार्यकाल के पुराने मामलों को लेकर पलटवार किया।

बहस की शुरुआत करते हुए गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार एसआईआर में अपनी पसंद की लिस्ट न आने के कारण पुराने ढर्रे पर चुनाव कराना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार यहाँ बेईमानी नहीं कर सकी। इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि डोटासरा को प्रक्रिया की जानकारी नहीं है और आगामी निकाय व पंचायत चुनावों में भाजपा का ही परचम लहराएगा।

- सदन में व्यक्तिगत हमलों का दौर तब शुरू हुआ जब जोगाराम पटेल ने बिड़ला ऑडिटोरियम के घटनाक्रम का जिक्र किया। इस पर डोटासरा ने तल्ख लहजे में कहा कि "मेरा नाम गोविंद डोटासरा है, सांस भी निकाल लिया तो चौकड़ी भुला दूंगा।"
- जवाबी हमले में मंत्री पटेल ने भी कहा कि चौकड़ी भुलाना हमें भी आता है।" इसी बीच शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने डोटासरा पर पलटवार करते हुए कहा कि अभी तो 2000 करोड़ रुपये के मिड-डे मील घोटाले का फंदा आ रहा है। डोटासरा ने इसका जवाब देते हुए कहा कि वे किसी भी जांच का स्वागत करते हैं। उन्होंने दिलावर पर हमला बोलते हुए दावा किया कि मंत्री पर 14 केस दर्ज हैं और वे 6 मामलों में जमानत पर बाहर हैं, वरना सलाखों के पीछे होते। दिलावर ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ राजनीतिक द्वेषवश फर्जी मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

सदन में व्यक्तिगत हमलों का दौर तब शुरू हुआ जब जोगाराम पटेल ने बिड़ला ऑडिटोरियम के घटनाक्रम का जिक्र किया। इस पर डोटासरा ने तल्ख लहजे में कहा कि "मेरा नाम गोविंद डोटासरा है, सांस भी निकाल लिया तो चौकड़ी भुला दूंगा।" जवाबी हमले में मंत्री पटेल ने भी कहा कि चौकड़ी भुलाना हमें भी आता है।" इसी बीच शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने डोटासरा पर पलटवार करते हुए कहा कि अभी तो 2000 करोड़ रुपये के मिड-डे मील घोटाले का फंदा आ रहा है। डोटासरा ने इसका जवाब देते हुए कहा कि वे किसी भी जांच का स्वागत करते हैं। उन्होंने दिलावर पर हमला बोलते हुए दावा किया कि मंत्री पर 14 केस दर्ज हैं और वे 6 मामलों में जमानत पर बाहर हैं, वरना सलाखों के पीछे होते। दिलावर ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ राजनीतिक द्वेषवश फर्जी मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

डोटासरा ने चुटकी लेते हुए कहा कि सरकार डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की लोकप्रियता से डरती है, इसलिए मदन दिलावर को उनके पीछे लगा रखा है। उन्होंने डॉ. किरोड़ी को अपना साढू बताते हुए उनके प्रति सहानुभूति जताई। इसके जवाब में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि हमने आरएसएस की शाखा में राष्ट्रभक्ति सीखी है। हमारा लक्ष्य पद नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा करना है। हम पदों के पीछे नहीं भागते।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी सरकार को घेरते हुए कहा कि यह सरकार मजदूर और किसान विरोधी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अमेरिका के साथ ट्रेड डील कर किसानों के हितों के साथ समझौता कर रही है। जूली ने चेतावनी दी कि सत्ता और बहुमत हमेशा नहीं रहता और आने वाले समय में जनता इसका जवाब देगी।

स्पीकर देवनानी ने श्रवण कुमार को बोलने से रोका तो विपक्ष ने किया सदन की कार्यवाही का बहिष्कार

जयपुर (विसं)। विधानसभा में गुरुवार को अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार के बोलने की मंजूरी रद्द करने के मामले पर जमकर हंगामा हुआ। भारी हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही को आधे घंटे के लिए स्थगित करना पड़ा।

सभापति ने पहले श्रवण कुमार को बोलने की अनुमति दे दी, इसके बाद वे अनुदान मांगों पर बोलने लगे। इसी बीच स्पीकर वासुदेव देवनानी सदन में आए और श्रवण कुमार को बोलने से रोकते हुए कहा कि, "मैंने पहले ही आपको आज मना किया था, आप 6 दिन से बोल रहे हैं, आपको बाद में बोलने की अनुमति दे देंगे, लेकिन आज नहीं। मैं अपने आदेशों की अवहेलना सहन नहीं करूंगा।"

- विपक्ष के भारी हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही देर शाम आधे घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ गई
- नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि "अनुमति देकर कांग्रेस के सदस्य की बेइज्जती की गई, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।"

इस घटना के बाद अनुदान मांगों पर बहस जारी रही। डग विधायक कालूराम बोल रहे थे, तभी नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए श्रवण कुमार के बोलने की अनुमति वापस लेने को गलत बताते हुए विधायक का अपमान बताया। इस पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने आपत्ति जताई। जूली ने कहा कि हम आप लोगों की मेहरबानी से नहीं है। अनुमति देकर सदस्य की बेइज्जती की गई, यह बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर इस तरह से ही दादागिरी से ही हाउस चलाना है तो चला लीजिए, यह तरीका नहीं होता। इस दौरान जमकर नोकझोंक हुई।

शाम को 7:27 पर विधानसभा की कार्यवाही फिर शुरू होने पर अनुदान मांगों पर बहस आगे बर। नाराज कांग्रेस विधायक सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करके चले गए।

6 मार्च तक कामकाज तय

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवानी की अध्यक्षता में हुई कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में 6 मार्च तक का कामकाज तय किया गया है। विधानसभा में 28 फरवरी से लेकर 4 मार्च तक छुट्टी रहेगी। इसके बाद 5 मार्च को विधानसभा में जन विश्वास विधेयक और राजस्थान दुकान और वाणिज्य संशोधन बिल बहस के बाद पारित होंगे, 6 मार्च को डिस्टर्ब एरिया बिल पारित होगा।

हालांकि 2 से ज्यादा बच्चों वालों को पंचायतीराज और निकाय चुनाव लड़ने की बाध्यता हटाने वाले दो बिलों के पास होने का समय अभी तय नहीं हुआ है। बुधवार को ही कैबिनेट ने दोनों बिलों को मंजूरी दी थी।

सार-समाचार

नगर पालिका को तत्काल कार्रवाई के आदेश

रतनगढ़ (निसं) स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा रतनगढ़ नगर पालिका को अवैध वाणिज्यिक परिसर निर्माण से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रकरण में स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने राजकुमारी सराफ के रतनगढ़ स्थित वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स के संबंध में गठित जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है। जारी आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि निर्माण कार्य अनुमोदित मानचित्र के अनुरूप ही सुनिश्चित किया जाए तथा मुख्य सड़क से समुचित पहुंच मार्ग उपलब्ध कराए बिना व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन नहीं किया जा सकेगा। साथ ही संबंधित भूखंड पर वर्तमान में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों को नगर पालिका द्वारा तत्काल प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने यह भी कहा है कि समस्त कार्रवाई नियमों के अनुरूप करते हुए प्रकरण की वस्तुस्थिति रिपोर्ट शीघ्र प्रेषित की जाए। शहरी विकास में पारदर्शिता और सुव्यवस्थित निर्माण व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नगर श्री में खूब जमा फागोत्सव महोत्सव

चूरू । लोक संस्कृति शोध संस्थान नगर श्री में गुरुवार को फागोत्सव महोत्सव खूब जमा। नगर श्री सचिव श्याम सुन्दर शर्मा ने बताया कि बुधवार शाम को नगर श्री ट्रस्ट के संस्थापक स्व. सुबोध कुमार अठावाल व स्व. रिद्धकरण मोटेका की स्मृति में गींदड के वयोवृद्ध कलाकार डॉ. मोतीलाल सोनी की अध्यक्षता व रमाकांत भाऊवाला के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राकेश दाधीच ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का आगाज किया। नीरज गौड़ व विनोद औझा ने बोल-बोल म्हारी जीवण जेवड़ी... व मेंहदी गीत, हनुमान आदित्य ने रामू चनणा के गीतां ने खूब समां बांधा। रास बिहारी पार्टी के गायक कलाकार राकेश दाधीच, विपिन दाधीच, उमेश दाधीच, हितेश कौशल, सुनील भाऊवाला व पंकज ने एक से बढ़कर एक होली के धमाल की प्रस्तुति दी। इस दौरान कठै सूं आई सूंठ, कठै से आयो जीरो, बीरा म्हानै पीवरिये पहुंचा दे रे..., मीठो मीठो बोलो रे पपईया..., कुरजा ए म्हारो भंवर मिला दे रेकृसहित अनेक लोकगीतों की रंगारंग प्रस्तुतियां से कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। वयोवृद्ध कलाकार डॉ. मोतीलाल सोनी, हरिसिंह, रूघाराम मांझू के साथ युवा व बच्चें भी थिरकने को मजबूर हो गये। कार्यक्रम में ढ़फ, ढ़ोलक, पेड आरगन की सुमधुर सामंजस्य के साथ उपस्थित श्रोताओं ने फूलों की होली खेलकर कार्यक्रम का जमकर आनंद उठाया। रमाकांत भाऊवाला ने सुबोध कुमार अठावाल द्वारा रचित प्रसिद्ध गीत बटाउडो सुनाकर खूब वाह-वाही लूटी। कार्यक्रम का संचालन प्रो. कमल सिंह कोठारी ने किया।

डॉ. शंभू पंवार सम्मानित

चिड़ावा, । निराला साहित्य एवं कला मंच एवं हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में सती सांईदास कलानौर (रोहतक) में आयोजित राष्ट्रीय साहित्योत्सव एवं सम्मान समारोह में अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त लेखक, पत्रकार,साहित्यकार डॉ. शंभू पंवार को चार दशक से मूल्यपरक एवं सार्थक पत्रकारिता के लिए निराला उत्कृष्ट पत्रकार सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि धरा धाम इंटरनेशनल प्रमुख एवं मानद कुलपति प्रो. डॉ. सौरभ पांडेय तथा कार्यक्रम अध्यक्ष, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के निदेशक डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी सहित विशिष्ट अतिथियों ने शॉल, माला और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षाविद डॉ. एहसान अहमद, साहित्यकार डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शिवकुमार शिव और मंच अध्यक्ष डॉ. सत्यवीर निराला भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि डॉ. पंवार ने अपनी निष्पक्ष, निर्भिक और समाजोन्मुखी लेखनी से पत्रकारिता को नई दिशा दी है। पत्रकारिता के साथ-साथ साहित्य और सामाजिक सरोकारों में भी उनकी सक्रिय भूमिका रहती है। वैश्विक स्तर पर मूल्यपरक पत्रकारिता और सामाजिक योगदान के लिए उन्हें अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत किया जा चुका है। उनके पांच साझा काव्य संठाह प्रकाशित हो चुके हैं तथा एक एकल काव्य संठाह प्रकाशनाधीन है। गणतंत्र दिवस 2026 पर आकाशवाणी द्वारा आयोजित विश्व के सर्वभाषा कवि सम्मेलन में सिंधी भाषा के अनुवादक कवि के रूप में सहभागिता कर उन्होंने झुंझुनूं एवं शेखावाटी क्षेत्र को गौरवान्वित किया। वैसे आपके आकाशवाणी दिल्ली से उनके साक्षात्कार एवं समसामयिक विषयों पर परिचर्चाएं समय-समय पर प्रसारित होती रही हैं।

सम्मान समारोह आज

चूरू । विश्व एनजीओ दिवस पर युक्ति सामाजिक शोध संस्थान की ओर से परिचर्चा व सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। सचिव राजकौर राहड़ ने बताया कि संस्थान की ओर से 27 फरवरी शुक्रवार को विकसित भारत निर्माण में एनजीओ की भूमिका पर विकसित भारत निर्माण में एनजीओ की भूमिका विषय पर परिचर्चा कार्यक्रम व सम्मान समारोह का आयोजन नगर श्री सभागार में शुक्रवार शाम 4 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सरोज हारित करेगी। वहीं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक नगेंद्र सिंह राठौड़ व मुख्य वक्ता समाज शास्त्र परिषद् के राज्य अध्यक्ष डॉ. सुशील त्यागी होंगे। कार्यक्रम में समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा।

चंग की धमाल आज से

रतनगढ (निसं) शहर की सांस्कृतिक संस्था शिवाजी सेवा संस्थान की ओर से चार दिवसीय रंगरूड़ौ फाग उच्छब-2026 का आगाज आज शुक्रवार रात से होगा। कार्यक्रम संयोजक विकास रिणवा ने बताया कि प्रथम दिन याराना ढप मंडल, रामगढ़ शेखावाटी द्वारा चंग-बांसुरी की स्वर लहरियों के साथ धामाल की प्रस्तुति दी जाएगी। सभी कार्यक्रम रात्रि 9 बजे से संस्थान प्रांगण में आयोजित होंगे।अध्यक्ष किशोरीलाल बील ने कहा कि संस्थान पिछले लगभग 50 वर्षों से होली पर इस पारंपरिक फाग उच्छब का आयोजन करता आ रहा है, जिसे लेकर क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह रहता है। 1 मार्च को विचित्र स्वांग के साथ शहर के मुख्य मार्गों से रंगरूडी बंदौरी भी निकाली जाएगी, जो अंचल का अनूठा आकर्षण है। आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है।

स्नेह मिलन समारोह 5 मार्च को

सीकर, ।कायस्थ हितकारिणी समिति की ओर से होली के अवसर पर भगवान चित्रगुप्त व कलम दवात पूजन 5 मार्च को की जाएगी। इस दौरान कायस्थ समाज की सामूहिक होली स्नेह मिलन समारोह में फूलों की होली खेली जाएगी। समिति के अध्यक्ष राधाकृष्ण माथुर की अध्यक्षता में कार्यक्रम शाम 5 बजे कायस्थ कॉलोनी स्थित चित्रगुप्त भवन में आयोजित किए जाएंगे। कायस्थ हितकारिणी समिति के महासचिव अश्वनी माथुर ने बताया कि इस अवसर पर भगवान चित्रगुप्त व कलम दवात पूजन, समाज को दिए अमूल्य योगदान के लिए पूर्व अध्यक्षों की स्मृति में उनके परिजनों, समाज के भवन के लिए दानदाताओं, भामाशाहों को प्रतिक चिन्ह व सम्मान पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सीकर । जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 21 अप्रेल को लोक सेवा दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोक सेवकों को मुख्यमंत्री लोक सेवा उत्कृटता पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाता है। पुरस्कार प्रदान करने का मुख्य उद्देश्य लोक सेवकों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित करना, नवाचारों के लिए अभिप्रेरित करना, लोक सेवा के प्रति समर्पण भाव एवं कार्यकुशलता की अभिवृद्धि करना है। पुरस्कार के लिए 18 फरवरी 2026 से ऑन-लाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किए जा सकते हैं। पुरस्कार 3 श्रेणियों में 11 पुरस्कार प्रदान किए जायेंगे। अवार्ड प्रक्रिया में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने की अंतिम तिथि 10 मार्च 2026 से पूर्व निर्धारित प्रारूप में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग राजस्थान सरकार द्वारा विकसित वेब पोर्टल://...के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करवाया जाना सुनिश्चित करावें।

नोडल अधिकारी नियुक्त

सीकर, । जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने बताया कि 28 फरवरी 2026 को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियों के सुचारू संचालन एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीकर को नोडल अधिकारी तथा श्री कल्याण राजकीय चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज सीकर के अधीक्षक एवं पीएमओ को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

व्याख्याताओं ने काली पट्टी बांध दर्ज करवाया विरोध

झुंझुनूं, । हाल के दिनों में बीकानेर श्रीडूंगरपुर थाना क्षेत्र के गांव कुपलासर के राजकीय विद्यालय में कार्यरत व्याख्याता (कार्यवाहक प्रधानाचार्य) किशनाराम क़ायल का एक युवक ने विद्यालय में घुसकर कर लाठी से हाथ पैर तोड़ने का मामला सामने आया है। उक्त घटना के विरोध में डाइट में व्याख्याताओं एवं वरिष्ठ व्याख्याताओं ने काली पट्टी बांध कर विरोध दर्ज करवाया। व्याख्याता प्रमेंद्र कुल्हार ने बताया कि बीकानेर जिले में कार्यरत व्याख्याता किशनाराम कायल के साथ घटित हुई मारपीट की इस प्रकार की घटना से पूरे जिले के शिक्षकों एवं व्याख्याताओं में भयंकर आक्रोश है। इस घटना के विरोध में जिलेभर के व्याख्याताओं ने काली पट्टी बांध कर सांकेतिक विरोध दर्ज करवाया है। साथ ही सरकार से आ ान किया है कि इस घटना के लिए दोषी अपराधी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करते हुए तुरंत सजा दिलाए और शिक्षकों की सुरक्षा के लिए टीचर प्रोटेक्शन एक्ट बनाया जाए। व्याख्याता अजय प्रेमी ने बताया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 फरवरी को दोपहर करीब 12 बजे कुंपालसर निवासी जगदीश प्रसाद पुत्र सोहनराम स्कूल में जाति प्रमाण पत्र के फॉर्म पर साइन करवाने आया था। लेकिन फॉर्म अधूरा ही था।

पूरी जानकारी भरने के लिए कहने पर आरोपी भड़क गया। इस पर गाली-गलौज करते हुए पहले चाय की भगोनी प्रिंसिपल के ऊपर फेंक दी। फिर प्रिंसिपल पर लाठी से हमला कर दिया। इससे कार्यवाहक प्रिंसिपल किशनाराम क़ायल के हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। उक्त घटना के बाद पूरे राजस्थान के विद्यालयों में स्थिति तनावपूर्ण रही। इस घटना के कारण पूरे जिले सहित राजस्थान के शिक्षकों में भयंकर आक्रोश है। शिक्षक संगठनों ने विरोध जताते हुए आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्कूल परिसर में इस तरह की घटना चिंता का विषय है।

शिक्षक सुरक्षित नहीं तो शिक्षा सुरक्षित नहीं - संजू नेहरा

खिरोड़, । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोंक छिलरी के कार्मिकों एवं अभिभावकों ने बीकानेर में कार्यरत कार्यवाहक संस्था प्रधान किशनाराम कयाल के साथ हुई मारपीट की घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। गुरूवार को कार्यालय समय में सभी शिक्षकों व कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया तथा घटना की घोर निंदा की। संस्था प्रधान संजू नेहरा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में शिक्षक का स्थान भगवान के समान माना गया है। इस प्रकार की घटनाएं शिक्षक समुदाय की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं। उन्होंने दोषियों के विरुद्ध कठोर एवं ठोस कार्रवाई की मांग की। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। विरोध प्रदर्शन के दौरान वाइस प्रिंसिपल मोनिका पालीवाल, व्याख्याता संदीप कुमार, हरिश कुमार, अर्पणा सैनी, वरिष्ठ अध्यापक महावीरप्रसाद सैनी, ताराचंद डूडी, सतीश कुमार पालीवाल, रामलखन सैनी, अध्यापक जीवनराम, रमेशचंद, कनिष्ठ सहायक अभिषेक, पंचायत सहायक सुमन शर्मा, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखाधिकारी सत्यनारायण सैनी सहित अभिभावक परमेश्वरी देवी उपस्थित रहे।

कानूनी जानकारी और सरकारी योजनाओं का संगम

■ लोक कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया

झुंझुनूं, । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झुंझुनूं द्वारा गुरूवार को पंचायत समिति चिड़ावा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झुंझुनूं व प्रशासनिक विभागों के संयुक्त तत्वावधान में एक लोक कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मंचस्थ अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एडीजे डॉ. महेन्द्र के. सिंह सोलंकी, तालुका विधिक सेवा समिति चिड़ावा के अध्यक्ष एडीजे नरेंद्र सिंह, एसीजेएम मोहनलाल बेदी थे। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी रही। जिनमें श्रम विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, महिला अधिकारिता विभाग, बाल अधिकारिता विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, शिक्षा विभाग, उद्योग विभाग, चिकित्सा विभाग, श्रम विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस लोककल्याणकारी शिविर का उद्देश्य एक ही मंच पर सभी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर समाज के वंचित वर्गों, ठाामीणों और आम जनता को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मौके पर ही प्रदान कर विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से सीधे जोड़ना रहा। सभी विभागों द्वारा आमजन को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों के माध्यम से लगभग 450 लाभार्थियों को राज्य सरकार की विविध योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस अवसर पर पात्र हितठााहियों को गार्गी पुरस्कार वितरण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री पशु बीमा योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत स्वीकृतियां तथा अन्य विभागों की ओर से आमजन को लाभ प्रदान किए गए।

समस्याओं के निस्तारण के निर्देश

रतनगढ़, समाचार जगत ब्यूरो। पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने गुरुवार को स्थानीय भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में शहर एवं ठाामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोगों ने पानी, सड़क, बिजली, सफाई, राजस्व सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें रखीं। महर्षि ने संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर बातचीत कर त्वरित समाधान के निर्देश दिए तथा लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के साथ नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन को राहत पहुंचाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

वन स्टॉप सखी सेंटर भ्रमण कराया

■ साथिनों को नारी चौपाल के प्रभावी संचालन, समुदाय में महिला सहभागिता बढ़ाने पर बल

सीकर, 25 फरवरी। उपनिदेशक, महिला अधिकारिता विभाग सीकर राजेन्द्र कुमार चौधरी के दिशा-निर्देशन में नारी चौपाल गतिविधियों को ठााम पंचायत स्तर पर प्रभावी एवं सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने तथा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के सुदृढ़ प्रचार-प्रसार को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से पिपराली एवं धोद ब्लॉक की साथिनों द्वारा वन स्टॉप सखी सेंटर का एकदिवसीय शैक्षिणक एवं अभिमुखीकरण भ्रमण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य साथिनों को नारी चौपाल के प्रभावी संचालन, समुदाय में महिला सहभागिता बढ़ाने, बालिका शिक्षा, लैंगिक समानता एवं महिला अधिकारों से संबंधित विषयों पर व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना रहा। भ्रमण के दौरान केंद्र पर उपलब्ध सेवाओं, कार्यप्रणाली तथा विभिन्न विभागों के समन्वय की प्रक्रिया से अवगत कराया गया, ताकि ठााम स्तर पर महिलाओं को आवश्यक सहायता समय पर उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर शकुंतला (पर्यवेक्षक, पिपराली) एवं सुनीता चौधरी (पर्यवेक्षक, धोद) द्वारा नारी चौपाल की रूपरेखा, बैठक आयोजन प्रक्रिया, एजेंडा निर्धारण, समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उपाय तथा फॉलोअप प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्यों, घटते लिंगानुपात की चुनौती, बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने, बाल विवाह रोकथाम एवं जन-जागरूकता गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जेंडर स्पेशलिस्ट प्रकाशचंद द्वारा लैंगिक संवेदनशीलता, महिला सुरक्षा एवं अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। वन स्टॉप सेंटर की प्रबंधक विद्या जोशी ने केंद्र पर उपलब्ध सेवाओं-आपातकालीन सहायता, विधिक परामर्श, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, पुलिस समन्वय, चिकित्सा सुविधा एवं अस्थायी आश्रय-की जानकारी साझा करते हुए बताया कि संकट की स्थिति में महिलाओं को एक ही स्थान पर समेकित सहायता उपलब्ध कराना केंद्र का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम के दौरान वन स्टॉप सेंटर का समस्त स्टाफ एवं पन्नाधाय सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की परामर्शदाता ऋचा पारीक भी उपस्थित रहीं। उन्होंने परामर्श सेवाओं की प्रक्रिया एवं गोपनीयता संबंधी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। भ्रमण के अंत में यह संकल्प लिया गया कि नारी चौपाल का आयोजन प्रत्येक ठााम पंचायत में नियमित रूप से किया जाएगा तथा महिला एवं बालिका सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए सतत् प्रयास किए जाएंगे।

7 मुंबई प्रवासी भामाशाह सीए दीनबंधु जालान ने श्री गोपाल गौशाला में करवाया पाताल तोड़ बोरिंग

■ अब गौवंश की जल समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा, 125 साल पुरानी गौशाला के विकास को मिले नए पंख, आवास नवीनीकरण और जल व्यवस्था के लिए आगे आए सीए दीनबन्धु जालान

झुंझुनूं, । जिले की लगभग 125 वर्ष पुरानी और गौसेवा को समर्पित श्री गोपाल गौशाला में गौभक्तों के सहयोग से विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। गौमाता के लिए पेयजल की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, स्वर्गीय चंद्रकला देवी जालान धर्मपत्नी स्वर्गीय बिड़दीचंद जालान की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र झुंझुनूं निवासी मुंबई प्रवासी भामाशाह सीए दीनबंधु जालान के सौजन्य से बोरिंग का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। गौशाला अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया एवं मंत्री प्रदीप

पाटोदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि बीबानी धाम के सामने गौशाला के हॉस्पिटल एरिया के बाहर लगभग 600 फुट गहरा पाताल तोड़ बोरिंग करवाया गया है। हर्ष का विषय है कि गौमाता की कृपा से इस बोरिंग में पीने योग्य मीठा और पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हुआ है। जिससे गौवंश की जल समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। विदित रहे कि सीए दीनबंधु जालान गौशाला के विकास में निरंतर अपना योगदान दे रहे हैं। बोरिंग के साथ-साथ उनके सौजन्य से गौशाला में एक गौ-आवास का नवीनीकरण कार्य भी लगभग पांच लाख रुपए की लागत से प्रगति पर है। गौशाला प्रबंधन ने झुंझुनूं की धरा के प्रवासी भामाशाहों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए।

रंग, गुलाल और लोकधुनों से सराबोर होगा झुंझुनूं

■ परसों गूंजेगा फागोत्सव, संस्कृति और सौहार्द का बनेगा विराट मंच

झुंझुनूं, 26फरवरी। रंगों के पावन पर्व होली के उपलक्ष्य में गीताांजलि समूह द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला फागोत्सव इस बार भी भव्यता के साथ मनाया जाएगा। फागोत्सव-2026 का आयोजन रविवार एक मार्च को हमीरी खुर्द स्थित गीतांजलि फॉर्म हाउस में शाम सात बजे से प्रारंभ होगा। जिसमें रंग, गुलाल, ढोल-धमाल और लोकसंगीत का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में पारंपरिक होली के रंगों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की विशेष शृंखला रहेगी। जयपुर से आने वाली रूप सिंह शेखावत एंड पार्टी अपने लोकगीतों एवं पारंपरिक फाग गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेगी। लोकधुनों पर सामूहिक नृत्य, धमाल और चंग की थाप के बीच उपस्थितजन होली के उल्लास में सराबोर होंगे। आयोजक गीतांजलि ज्वैलर्स एवं पंचविधि आयुर्वेद एवं पंचकर्म सेंटर के प्रमुख शिवकरण जानूं ने बताया कि फागोत्सव का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि एकता और सद्भाव का संदेश देने वाला उत्सव है।

ऐसे आयोजनों से समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच मिलता है और लोकसंस्कृति को जीवंत बनाए रखने में मदद मिलती है। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों का सम्मान भी किया जाएगा। झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू तथा पूर्व विधायक एवं भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी रहे शुभकरण चौधरी का अभिनंदन होगा।

साथ ही सामाजिक, व्यापारिक और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों की सहभागिता कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाएगी। आयोजकों के अनुसार फागोत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है। बड़ी संख्या में आमजन, समाजसेवी, व्यापारी तथा युवा वर्ग के शामिल होने की संभावना है। फागोत्सव का उद्देश्य लोगों को एक मंच पर जोड़कर हमारी समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाना है, ताकि नई पीढ़ी भी अपनी जड़ों से जुड़ी रहे और समाज में प्रेम, सौहार्द और उल्लास का वातावरण सुदृढ़ हो सके।

सार-समाचार

अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन

सीकर । जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन के संबंध में राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने राज्य निर्वाचन आयोग राजस्थान जयपुर के द्वारा राज्य में 31 दिसम्बर 2025 को पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 की निर्वाचक नामावलियों की तैयारी के लिए कार्यक्रम एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए, जिसके अन्तर्गत 29 जनवरी 2026 को सीकर जिले की 16 पंचायत समितियों में कुल 449 ठााम पंचायतों की निर्वाचक नामाविलयों का प्रारूप प्रकाशन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी शर्मा ने बताया कि प्रारूप प्रकाशन में जिले में कुल 1663379 मतदाता थे। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 की निर्वाचक नामावलियों के प्रारूप प्रकाशन के पश्चात 31 जनवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का वार्डों,मतदान केन्द्रों पर पठन का कार्य करवाया गया, निर्वाचक नामावलियों के पठन के कार्य के पश्चात 1 फरवरी 2026 व 2 फरवरी 2026 को मतदान केन्द्रों पर विशेष अभियान चलाया गया, निर्वाचक नामावलियों के दावों एवं आक्षेपों को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 7 फरवरी 2026 थी, निर्वाचक नामावलियों के संबंध में प्राप्त दावों एवं आक्षेपों का निस्तारण 14 फरवरी 2026 तक किया गया। उन्होंने बताया कि निर्वाचक नामावलियों के प्रारूप प्रकाशन के पश्चात् जिले में कुल 79029 मतदाताओं के नाम शामिल किए गए है व कुल 53267 मतदाताओं के नाम विलोपित किए गए है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बुधवार को अंतिम प्रकाशन के बाद जिले की 16 पंचायत समितियों में कुल मतदाता 1689141 हो गए है। मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन के समय भी त्रुटियों रह जाने की संभावना रहती है। उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि यदि अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूचियों में किन्हीं पात्र व्यक्तियों के नाम रह गये हों या गलत नाम शामिल हो गये हों या कोई अशुद्धि रह गयी हो तो, उसका उपाय नियमों में विहित प्ररूप। या ।। या ।।। में आवेदन पत्र,आपत्तियाँ प्रस्तुत कर किया जा सकता है। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूचियों के निरंतर अद्यतन के लिए नियम 20 में पर्याप्त प्रावधान हैं। नियम 20 के अनुसार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा स्वविवेक से या प्रार्थना पत्र के आधार पर नाम जोड़ने, हटाने, अंतरण करने की कार्यवाही एक विहित प्रकिया के अधीन की जा सकती है। नियम 20 के अंतर्गत निरन्तर अद्यतन प्रक्रिया में नाम जोडने, हटाने, अंतरण करने या शुद्ध करने की कार्यवाही पंचायत चुनावों के लिए नियम 23 या 58 के अंतर्गत अधिसूचना जारी होने की तिथि तक की जा सकती है। चुनाव की अधिसूचना जारी होने की तिथि से मतदान समाप्ति तक मतदाता सूची में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जायेगा। इस प्रकार जोड़े गये, हटाये गये या शुद्ध किये गये नामों की सूची पूरक 2 के नाम से बनायी जायेगी। इस दौरान अंतिम मतदाता सूची की दो प्रतियां एक हार्ड एवं एक सॉफ्ट कॉपी बिना फोटों के मान्यता प्राप्त रानैतिक दलों के उपस्थित प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई है।

युवा साथी केन्द्र का उद्घाटन

सीकर । राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय सीकर में 25 फरवरी 2026 बुधवार को युवा मामले एवं खेल विभाग राजस्थान सरकार द्वारा संचालित युवा साथी केन्द्र का उद्घाटन महाविद्यालय के प्रधानाचार्य मदनलाल रोलन के मुख्य आतिथ्य एवं डा0 सुरेश रॉयल, सुनिता पाण्डे व धीरज डीडवानिया के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में रतन सिंह शेखावत ने अवगत करवाया कि यह केन्द्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू किया जा रहा है। यह न केवल नौकरी की दिशा में बल्कि युवाओं को रोजगार प्रारम्भ कर दूसरों को भी नौकरी देने की दिशा में सम्पूर्ण परामर्श प्रदान करेगा। समारोह में उपस्थित युवाओं को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने बताया कि केन्द्र उन युवाओं के लिए विशेष रूप से सहयोगी होगा जो सरकारी योजनाओं के तहत ऋण, उद्यम प्रोत्साहन, प्रारम्भिक वित्तीय सहायता, कौशल प्रशिक्षण, स्टार्टअप आदि में रूचि रखते हों। पात्र युवा ऑनलाईन पंजिकरण कर सकते हैं या सीधे केन्द्र पर आकर सहायता प्राप्त कर सकते हैं, यह सेवायें निशुल्क रहेंगी। समारोह में केन्द्र की टीम के प्रमुख अधिकारी अरूण यादव, अभियन्ता रतन सिंह उपस्थित रहे। केन्द्र समन्वयक, सीकर के गोविन्द सिंह कविया ने समस्त उपस्थित गणमान्यों का आभार व्यक्त किया।

विद्यालय को अलमारी भेंट

रतनगढ़(निसं)हनुमान प्रसाद सीताराम सेवा समिति की ओर से गुरुवार को महात्मा गांधी राजकीय अंठोजी माध्यम विद्यालय, पंडितपुर में एक बॉक्स अलमारी भेंट कर सराहनीय पहल की गई। कार्यक्रम सीबीईओ संदीप व्यास के सान्निध्य एवं संस्था प्रधान नरेंद्र कुमार सांकृत्य की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।समिति अध्यक्ष सीताराम शर्मा ने अपनी सुपौत्री माही दाधीच के जन्मदिन के अवसर पर विद्यालय को अलमारी समर्पित करते हुए सभी विद्यार्थियों को चॉकलेट वितरित की। मुख्य अतिथि शर्मा ने अपने संबोधन में समिति के सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए समाज के विकास में प्रत्येक व्यक्ति से यथाशक्ति सहयोग का आ ान किया। उन्होंने वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए जनभागीदारी पर बल दिया।विशिष्ट अतिथि पूर्व सीबीईओ कुलदीप व्यास ने समिति के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए प्रेरणादायक गीत की प्रस्तुति दी। समाजसेवी मोतीलाल तातेड ने सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया।

कार्यालय नगरपरिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

कमांक :- न.प.सु./भूमि शाखा/2025/11581 दिनांक 23.02.2026

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे अंकित निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा 69ए/कृषि भूमि नियमन के अन्तर्गत पट्टा नियमन हेतु आवेदन किया हुआ है। उक्त के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो आपत्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत करे। बाद मियाद गुजरने पश्चात किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा, और इकतरफा कार्यवाही की जावेगी।

क. सं.	आवेदक का नाम व पता	कस्बा	पता	क्षेत्रफल वर्गमीटर	आवासीय/ व्यावसायिक
01	श्री राधा किशन पुत्र श्री गोपाल चन्द	सुजानगढ़	हरिजन सामुदायिक भवन के पीछे	51.56	आवासीय
02	श्री रामचन्द फलवारिया पुत्र श्री नारायण राम फलवारिया	सुजानगढ़	रेगर बस्ती	155.15	आवासीय
03	जहीर अब्बास अगवान पुत्र श्री अब्बास अगवान	सुजानगढ़	के.जी.एन. रोड़ तेलियान मोहल्ला	154.45	आवासीय

कृषि भूमि नियमन पत्रावली

क. सं.	आवेदक का नाम	कस्बा	ख.न.	क्षेत्रफल वर्गमीटर	आवासीय/ व्यावसायिक
1.	श्रीमती सम्पत देवी पत्नी श्री जेसराज प्रजापत	सुजानगढ़	2026/1811	226.05	आवासीय
2.	श्री हरी राम खाती पुत्र श्री चेतन राम खाती	सुजानगढ़	2180/2014	137.65	आवसीय
3.	श्री मो. मुस्ताक पुत्र श्री मा. युसुफ	सुजानगढ़	1366	163.64	आवासीय
4.	श्री राजूराम खाती पुत्र श्री चेतन राम खाती	सुजानगढ़	2180/2014	138.02	आवासीय
5.	श्री मुरली मनोहर प्रजापत पुत्र श्री प्रकाश प्रजापत	सुजानगढ	2026/1811	198.33	आवासीय
6.	श्री मुस्लिम पुत्र श्री जहरूदीन	सुजानगढ़	667	184.11	आवासीय
7.	श्री रामलाल जाट पुत्र श्री सुरेश जाट	सुजानगढ़	1291	199.37	आवासीय
8.	श्रीमती कमला गोदारा पत्नी श्री राम लाल जाट	सुजानगढ़	1291	289.61	आवासीय

राज.संवाद/सी/25/21450 आयुक्त

राजस्थान सरकार

कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, बीदासर (चूरू) राज0

E-Mail : nagarpalikabidasar@gmail.com Phone No. : 01560 – 262028

क्रमांकः-न.पा.बी/भूमि-शाखा/2025-26/3682 दिनांक :- 23.02.2026

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदकों ने आवासीय निर्माण स्वीकृति/नामान्तरण/उपविभाजन/कृषि भूमि से आवासीय पट्टा/69-क पट्टा हेतु इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः आवेदनों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति /संस्था को कोई आपति हो तो मय दस्तावेज के साथ 07 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर देवे समयावधि पश्चात कोई आपति मान्य नही होगीं।

पत्रावलियों का विवरण

क्र. स	पत्रावली संख्या/ दिनांक	नाम	भूमि का क्षेत्रफल (वर्गमीटर में)	आस-पास का विवरण			
				उतर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
1.	115/11022026	कु. रामकन्या मेघवाल पुत्री श्री राधा कृष्णा जाति मेघवाल निवासी ग्राम जैतासर हाल बीदासर।	196.28 व.मी. (69-क)	विमल कुमार नाई	कुणराम नाई	आम रास्ता	आम रास्ता
2.	10/11.02.2026	श्री गणेशाराम पुत्र श्री मालाराम जाति प्रजापत निवासी धोरां की ढाणी कस्बा बीदासर।	39.08 व.मी. (उप विभाजन)	नोखा सीकर रोड.	485B क्षेस रास्ता	आम रास्ता	आम रास्ता
3.	114/11.02026	श्री प्रवीण कुम्हार पुत्र श्री लिछमण राम जाति कुम्हार निवासी वार्ड न. 29 कस्बा बीदासार।	152.32 व.मी. (69-क)	श्विरत्न मारोठिया	आम रास्ता	शंकरलाल लाडुणा	आम रास्ता
4.	19/11.02.2026	श्री बीरबल राम पुत्र श्री खीयाराम जाति जाट निवासी ग्राम पारेबड़ा कस्बा बीदासर।	1394.05 व.मी. (निर्माण स्वीकृति)	नोखा सीकर रोड.	भंवरलाल बोथरा	आम रास्ता	जेठाराम

राज.संवाद/सी/25/21451 अधिशाषी अधिकारी

वह किसी भी तरह के अनुचित या अनैतिक खेल के पूरी तरह खिलाफ हैं, लेकिन बिना ठोस सबूत के सार्वजनिक आरोप लगाना ठीक नहीं।

- डी गुकेश

भारतीय ग्रैंडमास्टर, अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

अंजू तमांग

अनुभवी मिडफील्डर अंजू तमांग चोट के कारण एएफसी महिला एशियन कप से बाहर हो गई हैं। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले बड़ा झटका लगा है। टीम प्रबंधन के अनुसार सप्ताह की शुरुआत में ट्रेनिंग सत्र के दौरान उन्हें चोट लगी, जिसके बाद मेडिकल जांच में साफ हो गया कि वह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। बता दें कि अंजू ने भारत के लिए 70 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं और वह मौजूदा स्क्वॉड की सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी थीं। उनकी मौजूदगी टीम के आक्रमण और अनुभव दोनों के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही थी।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 विश्व कप में 256 रनों का स्कोर बनाकर भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया है।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

इंग्लैंड व न्यूजीलैंड के बीच शाम 7 बजे

भारत सेमीफाइनल से एक जीत दूर: जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया, अभिषेक-पंड्या ने फिफ्टी लगाई

चेन्नई , 26 फरवरी। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 पहली जीत हासिल की है। टीम इंडिया ने गुरुवार के दूसरे मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया। इसी के साथ सुपर-8 ग्रुप-1 से साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 256 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 184 रन ही बना सकी। हार्दिक पंड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे। भारत ने 256 रन बनाए। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। हाईएस्ट स्कोर का रिकॉर्ड 260 रन है, जो श्रीलंका ने 2007 में केन्या के खिलाफ बनाया था। इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपना सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। पिछला रिकॉर्ड 218 रन का था। जोकि इंग्लैंड के खिलाफ 2007 में बना था। उस मैच में युवराज ने लगातार 6 छक्के लगाए थे।भारतीय टीम की ओर से अभिषेक शर्मा (55 रन) और हार्दिक पंड्या (नाबाद 50) फिफ्टी बनाई। वहीं, तिलक वर्मा ने नाबाद 44 रन बनाए। जिम्बाब्वे से रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजरबानी, तिनोतेंदा मपोसा और सिकंदर रजा ने एक-एक विकेट लिए।

257 रन का टारगेट चेज कर रही जिम्बाब्वे की शुरुआत धीमी रही। उसके बाद टीम ने मिडिल ओवर्स के फेज में नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। लेकिन, ओपनर ब्रायन बेनेट ने एक छोर संभाले रहा। उन्होंने नाबाद 97 रन बनाए, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। भारतीय टीम की ओर से अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट झटके। उनके अलावा, वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और शिवम दुबे को एक-एक विकेट मिला।

सैंटनर अपने साथी खिलाड़ियों के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह हैं- रविंद्र

नई दिल्ली, 26 फरवरी। न्यूजीलैंड के आलराउंडर रचिन रविंद्र ने टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में अपनी टीम की श्रीलंका पर 61 रन से जीत के बाद अपने कप्तान मिचेल सैंटनर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह अपने साथी खिलाड़ियों के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह हैं और उन्हें दमदार महसूस कराने का तरीका ढूंढ लेते हैं।

रविंद्र ने इस मैच में 32 रन बनाए और 19 रन देकर चार विकेट भी लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। कप्तान सैंटनर की 26 गेंदों पर खेली गई 47 रन की पारी से न्यूजीलैंड 84 रन पर छह विकेट गंवाने के बावजूद सात विकेट पर 168 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में श्रीलंका आठ विकेट पर 107 रन ही बना सका। रविंद्र ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हम सभी जानते हैं कि सैंटनर कितने शांत स्वभाव के हैं, लेकिन उनका सोचने का तरीका भी कमाल का है, जैसे कि किस छोर से कौन सी गेंद फेंकनी है।

साउथ अफ्रीका की सुपर-8 में लगातार दूसरी जीत:वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया

अहमदाबाद, 26 फ़रवरी। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में लगातार दूसरा मैच जीत लिया है। टीम ने गुरुवार के पहले मैच में वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग की।

वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 176 रन बनाए। 177 रन का टारगेट साउथ अफ्रीका ने 16.1 ओवर में एक विकेट पर हासिल कर लिया। कप्तान ऐडन मार्करम ने नाबाद 82 और रायन रिकेल्टन 45 रन बनाए।

वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने नाबाद 52 रन बनाए। जबकि जेसन होल्डर 49 रन बनाकर आउट हुए। साउथ अफ्रीका की ओर से लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट झटके। कगिसो रबाडा और कॉर्बिन बॉश को 2-2 विकेट मिले।

टीम ने एक समय 83 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। यहां से जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड ने 8वें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी करके टीम को 170 पार पहुंचा दिया। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में 8वें विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 में लगातार दूसरा मैच जीत लिया है। टीम सेमीफाइनल के बेहद करीब पहुंच गई है। अफ्रीका के 2 मैच में 4 अंक हो गए हैं। टीम ग्रुप-1 पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर है। वहीं, वेस्टइंडीज 2 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत तीसरे और जिम्बाब्वे चौथे नंबर पर है।

न्यूजीलैंड की जीत से श्रीलंका बाहर, अब एनआरआर में फंसा पाकिस्तान

कोलंबो, 26 फरवरी। कोलंबो में खेले गए मुकाबले ने सुपर एट्स ग्रुप-2 की दिशा बदल दी है। न्यूजीलैंड ने सह-मेजबान श्रीलंका को 61 रन से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस जीत का असर सिर्फ श्रीलंका तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पाकिस्तान की सेमीफाइनल उम्मीदें भी इससे जुड़ गई हैं। 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम 107/8 तक ही पहुंच सकी। उन्हें बड़ी जीत की दरकार थी, लेकिन बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई। बता दें कि 2014 में खिताब जीतने के बाद से यह लगातार पांचवां अवसर है जब श्रीलंका सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा है।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड की इस जीत से उसका नेट रन रेट 3.050 तक पहुंच गया है, जो उसे फिलहाल मजबूत स्थिति में रखता है। गौरतलब है कि इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुका है।

रणजी ट्रॉफी- जम्मू कश्मीर पहली पारी में 584 पर ऑलआउट

नई दिल्ली, 26 फरवरी। रणजी ट्रॉफी फाइनल के तीसरे दिन जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक पर मजबूत पकड़ बना ली है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक कर्नाटक ने

220 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए। जम्मू कश्मीर ने पहली पारी में 584 रन बनाए। इस तरह कर्नाटक अब भी 364 रन से पीछे है। फॉलोऑन टालने के लिए कर्नाटक को 165 रन और बनाने होंगे। कप्तान मयंक अग्रवाल सेंचुरी बनाकर नॉटआउट लौटे।

जम्मू-कश्मीर के लिए नबी ने 14 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट झटके। उन्होंने लगातार 9 ओवर का स्पेल डालते हुए केएल राहुल को आउट किया और कर्नाटक को पहला झटका दिया। इसके बाद नबी ने करुण नायर को शानदार गेंद पर बोल्ड किया। अगली ही गेंद पर फॉर्म में चल रहे स्मरण रविचंद्रन को भी पवेलियन भेज दिया।

पूर्व कप्तान मयंक अग्रवाल ने मोर्चा संभालते हुए 207 गेंदों पर नाबाद 130 रन बनाए। इसके बावजूद कर्नाटक की टीम दबाव में नजर आ रही है। श्रेयस गोपाल ने 27 रन बनाए। विकेटकीपर कृतिक कृष्णा ने मयंक के साथ 58 रन की पार्टनरशिप कर ली है। दोनों चौथे दिन कर्नाटक की पारी आगे बढ़ाएंगे।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में दांव पर वनडे श्रृंखला, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत जरूरी

नई दिल्ली, 26 फरवरी। मौजूदा विश्व चैंपियन भारत को पहले मैच में बुरी तरह हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला को अगर जीवंत रखना है तो उसे शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टी20 श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद भारतीय टीम वनडे श्रृंखला की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई और ब्रिस्बेन में खेले गए पहले मैच में छह विकेट से हार गई।

भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कभी भी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीती है। इस प्रारूप में इन दोनों देशों के बीच खेली गई श्रृंखलाओं में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है। दोनों टीमों के बीच अभी तक 11 द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला खेली गई हैं जिनमें सभी में ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल की। इनमें 2024 में 3-0 से और सितंबर 2025 में 2-1 से जीत भी शामिल है। लेकिन भारत 2025 में महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर मिली पांच विकेट की जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा।

वर्तमान श्रृंखला के पहले मैच में भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का सामना करने में नाकाम रहे और पूरी टीम केवल 214 रन पर आउट हो गई। उप-कप्तान स्मृति मंधाना (58), कप्तान हरमनप्रीत कौर (53) और कासवी गौतम (43) को छोड़कर कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां नहीं खेल सका। वे ऑस्ट्रेलिया की अनुशासित गेंदबाजी के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए। प्रतिका रावल पारी की शुरुआत करते हुए खाता भी नहीं खोल पाई। शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा भी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरीं। भारत को शुक्रवार को इन चारों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। बड़े शॉट लगाने में माहिर विकेटकीपर ऋचा घोष को भी संघर्ष करना पड़ा और वह केवल 23 रन ही बना सकी। टीम को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

सुराना एकेडमी तथा यूनियन क्लब जीते

देव प्रताप व आर्यमन कटारिया शतक से चूके

जयपुर, 26 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच यूनियन क्रिकेट क्लब ने सबा क्लब को 7 विकेट से हराया तथा दूसरे मैच में जी आर ग्राउंड पर खेले गए मैच में सुराना एकेडमी ने चंबल स्पोर्ट्स क्लब को 3 विकेट से हराया।

आज प्रातः के एल सैनी स्टेडियम में सबा क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 20 रनों पर 6 विकेट गंवाने के बाद लखन कड़वासरा के 54 रन तथा मोहित भगतानी 72 ने 7वे विकेट के लिए 105 रनो की साझेदारी तथा मिहित अग्रवाल के 28 रन व सुमित भगेरिया के 16 रनो से 44 ओवर में 220 रन बनाने में सफल हुई। यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए रमेश शर्मा ने 41 पर 4, देवराज सैनी ने 40 पर 3, दीपक चौधरी व आदित्य शर्मा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में यूनियन क्रिकेट क्लब ने देव प्रताप के 94 रन, दीपक चौधरी के नाबाद 50 रन, आदित्य टांक के नाबाद 41 रनो से 39 ओवर में 3 विकेट पर 224 रन बनाकर मैच लिया। सबा क्लब के लिए मिहित अग्रवाल, दक्ष जैन व लोकेश सैनी ने एक - एक विकेट लिया दूसरे मैच में जी आर ग्राउंड पर सुराना एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले चम्बल स्पोर्ट्स को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। चंबल स्पोर्ट्स ने तोषित भाटिया के 62 रन, भुवन शर्मा के 51 रन, रोहन राजभर के 17 रन, राहुल खंडेलवाल के 16 रन व अभिजय भंडारी के 34 रनो से 49.2 ओवर में 231 रन बनाए। सुराना एकेडमी के लिए विकास झारवाल ने 40 पर 3, आर्यमन शर्मा ने 47 पर 2, आदित्य झाला, आशीष इंदौरिया व तनीश जैन ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में सुराना एकेडमी ने आर्यमन कटारिया के 95 रन, आदिया झाला के 44 रन, अविनाश शर्मा के 24 रन, दिव्यांशु गौड़ के 22 रनो से 41.4 ओवर में 7 विकेट पर 237 रन बनाकर मैच जीत लिया। चम्बल स्पोर्ट्स के लिए यश त्रिपाठी ने 28 पर 2, हिमान्य भारद्वाज ने 39 पर 2, दिव्यांश शर्मा ने 27 पर 2 तथा अभिजय भंडारी ने 51 पर एक विकेट लिया।

नोट: दिनांक 27 फरवरी को के एल सैनी स्टेडियम पर पी एंड टी क्रिकेट क्लब बनाम राजीव गांधी क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा ।

राजस्थान हॉकी के छात्रों ने स्पेशल ओलंपिक्स नेशनल हॉकी में पदक जीते

जयपुर, 26 फरवरी। फरीदाबाद में 22 फरवरी से 25 फरवरी तक स्पेशल ओलंपिक्स भारत द्वारा बौद्धिक दिव्यांग एथलीटों के लिए हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में भारत के 11 राज्यों की टीमें शामिल हुई थीं। प्रतियोगिता का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी कृष्णपाल गुर्जर ने किया था ।

ट्रेजरलैंड स्पोर्ट्स अकेडमी, जयपुर (राजस्थान हॉकी) के छात्रों ने स्पेशल ओलंपिक्स नेशनल हॉकी में पदक जीते। ट्रेजरलैंड स्पोर्ट्स अकेडमी, जयपुर (राजस्थान हॉकी) के छात्रों ने स्पेशल ओलंपिक्स नेशनल हॉकी टूर्नामेंट में पदक जीतकर अपने संस्थान और राजस्थान का नाम रोशन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में शामिल हैं: प्रनव शर्मा, जिन्होंने जूनियर कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता, अनश खान, जिन्होंने जूनियर कैटेगरी में 4था स्थान प्राप्त किया, ईशा पारिख, जिन्होंने सीनियर कैटेगरी में 4था स्थान प्राप्त किया। स्पेशल ओलंपिक्स नेशनल हॉकी टूर्नामेंट एक प्रतिष्ठित आयोजन है, जिसमें देश भर से मानसिक रूप से दिव्यांग प्रतिभाशाली एथलीट भाग लेते हैं। ट्रेजरलैंड स्पोर्ट्स अकेडमी और राजस्थान हॉकी अपने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व करती हैं।

खिलाड़ी जितने ज्यादा मैच खेलेगें, उतना ही मैच टेम्परामेन्ट डवलप होगा: राज्यवर्धन राठौड़

20वीं आल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैम्पियनशिप शुरू

जयपुर, 26 फरवरी। गुरुवार को सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में शुरू हुई तीन दिवसीय 20वी ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप-2025-26 का उद्घाटन युवा मामले एवं खेल तथा उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार व ओलम्पिक रजत पदक विजेता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल एवं मानद सचिव यश प्रताप सिंह तथा टूर्नामेंट में भाग ले रही प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का स्वागत किया। इस अवसर पर राज्य हैंडबॉल संघ के संरक्षक महेंद्र शर्मा एवं जय अहूजा भी मौजूद थे।

उद्घाटन के अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल तभी बेहतर होता है, जब खिलाडियों को मौका मिले, खिलाडी जितने ज्यादा मैच खेलेगें, उतना ही मैच टेम्परामेन्ट डवलप होगा। जब आप खेले तो स्कोर बोर्ड की ओर ना देखें और केवल अपने खेल पर ध्यान दे, सफलता मिली तो अच्छा है, नहीं मिली तो कल जरूर मिलेगी, लेकिन प्रयास कभी भी नहीं छोडना चाहिए। हमेशा रेफरी के निर्णय का सम्मान करें।

उन्होंने कहा कि जब में सेना में था तब मैंने हैंडबॉल भी खेलता था, आज सबके बीच उपस्थित होकर अच्छा लग रहा है। ऐसे खिलाडियों के बीच जिन्होनें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि विगत दिनों जब कोचेस से संवाद कर रहा था तो उन्होंने प्रैक्टिस इंडोर हॉल की आवश्यकता जताई थी। इसके लिए हमने एक प्रस्ताव भिजवा दिया है मुझे उम्मीद है कि मुख्यमंत्री जल्दी ही हैंडबॉल इंडोर प्रैक्टिस हॉल की घोषणा कर सकते है। राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि टूर्नामेंट में भाग ले रही प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। गत चैंपियन हिमाचल प्रदेश ने अपना विजयी अभियान शुरू करते हुए पंजाब को 24-19 (19-6) गोलो से हराया। मेजबान राजस्थान ने भी विजयी शुरुवात करते हुए आज अपने दोनों मैचों में जीत दर्ज की। पहले मैच में उन्होंने जहाँ उत्तर प्रदेश को 19-15 (10-9) से हराया। वही दूसरे मैच में सीआईएसएफ को 20-17 (07-07) से हराया। अन्य मैचों में एलपीयू-फगवाड़ा ने दिल्ली को एकतरफा मैच में 27-7 (15-1) से, गत उपविजेता उत्तर रेलवे ने बीएसएफ को 19-14 (10-5) से, सीआईएसएफ ने दिल्ली को 20-15 (11-9) से, बीएसएफ ने हरियाणा को 19-17 (11-08) से, नॉर्दर्न रेलवे ने पंजाब को 24-13 (17-08) से पराजित किया। शुक्रवार को खेले जाने वाले मैच इस प्रकार है:- राजस्थान बनाम एलपीयू-फगवाड़ा, उत्तर प्रदेश बनाम सीआईएसएफ, बीएसएफ बनाम हिमाचल प्रदेश, नॉर्दर्न रेलवे बनाम हरियाणा, उत्तर प्रदेश बनाम एलपीयू-फगवाड़ा, बीएसएफ बनाम पंजाब, हरियाणा बनाम हिमाचल प्रदेश, राजस्थान बनाम दिल्ली, सीआईएसएफ बनाम एलपीयू-फगवाड़ा, हरियाणा बनाम पंजाब।

टीम जयपुर को हराकर टीम सैंटे एमईएसएमई ने जीता मैच

जयपुर, 26 फ़रवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित हो रहे राजस्थान टूरिज्म पोलो कप (06 गोल्स) के लिए राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर टीम जयपुर और टीम सैंटे एमईएसएमई के बीच मुकाबला हुआ। इस मैच में टीम सैंटे एमईएसएमई ने टीम जयपुर को 5-3 के स्कोर से हराकर मैच अपने नाम किया। विजेता टीम सैंटे एमईएसएमई की ओर से रॉबर्ट स्ट्रोम ने अच्छा प्रदर्शन किया और टीम के लिए 4 गोल हासिल किए। वहीं, डीनो धनखड़ ने 1 गोल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में ऐलन शॉन माइकल और हेमंत कसाना भी शामिल थे। दूसरी तरफ, टीम जयपुर से लांस वॉटसन ने 3 गोल किए। टीम से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, मिर्ज़ा मोहम्मद बेग, प्रताप सिंह कानोता भी खेले। **आज का मुकाबला**- राजस्थान टूरिज्म पोलो कप (06 गोल्स) के लिए कल सेमिफाइनल का मुकाबला होगा। यह मैच टीम जयपुर और वी पोलो के बीच शाम 4 बजे आरपीसी ग्राउंड पर खेला जाएगा। टीम जयपुर की ओर से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, लांस वॉटसन, मिर्ज़ा मोहम्मद बेग और प्रताप सिंह राठौड़ खेलेंगे। वहीं, वी पोलो टीम में निमित मेहता, मुकेश सिंह, विशाल सिंह राठौड़ और गोंजालो यांजों शामिल होगा।

कार्यालय नगर परिषद खैरथल (खैरथल-तिजारा) राज0

क्रमांक : 9468-71 दिनॉक : 20.02.2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 27/2025-26

नगर परिषद खैरथल द्वारा स्ट्रीट लाईट सम्बन्धी विभिन्न कार्यो हेतू ऑनलाईन निविदा http://eproc.rajasthan.gov.in पर Tender ID No. 2024_DLB_540889 के माध्यम से आमन्त्रित की जाती है। निविदा सूचना राजस्थान लोक उपागम पोर्टल की वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in पर NIB No. DLB2526B1983 के द्वारा देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद खैरथल

राज.संवाद/सी/25/21385

नगर निगम जोधपुर

क्रमांकः- 6791 दिनांकः- 23.02.2026

:: ई-निविदा सूचना ::
(UB NO. DLB2526WSOB35790)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर निगम जोधपुर

राज.संवाद/सी/25/21436

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

क्रमांक - बी.डी.ए./स्टोर/2025-26/राजकाज 20685791 दिनांक :- 23/02/2026

बोली सूचना संख्या 30/स्टोर/2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर कार्यालय उपयोग हेतु निम्नलिखित कार्यो के लिए हेतु ई-बोली आमंत्रित की जाती है :-

1-System Integrator for Conceptualization, Design, Development, Deployment and Managed Operations of an AI-Enabled, Data-Driven, Multi-Stakeholder Digital Enablement Platform for Holistic Transformation of Anganwadi Ecosystem in Bikaner, Rajasthan. **(UBN : ITB2526SLOB00408)**

विस्तृत जानकारी कार्यालय वेबसाईट **https://urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/21343 सचिव

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.

D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. : F-8() RMSC/EPM/M-3/NIB-881/2025-26/1736 Dated :- 23/02/2026

Corrigendum / Addendum

Bid for item X-Ray Machine (500 ma) (NIB-881) are invited from interested bidders up to Date: 12/03/2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website **https://sppp.rajasthan.gov.in** or **www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.**

UBN No. : MSC2526GLOB00068

Executive Director (EPM)
Rajasthan Medical Services Corporation

Raj.Samwad/C/25/21353

कार्यालय सेठ भामाशाह कृषि उपज मण्डी समिति "विशिष्ट श्रेणी" (अनाज) कोटा

क्रमांक :- स्टोर/2025-2026/4138 - 4144 दिनांक :- 23/02/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति "विशिष्ट श्रेणी" (अनाज) कोटा में टेन्ट व्यवस्था हेतु स्वीकृत बजट 25.00 लाख की सीमा में सेवा प्रदाताओं पंजीकृत फर्मो से राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के अन्तर्गत सेवाओं के उपापन के सम्बंध में ऑन लाईन निविदा ई-प्रोक्यूरमेंट (**www.eproc.rajasthan.gov.in**) के माध्यम से दिनांक 05.03.2026 को सांय 5.00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाओं से सम्बन्धित विस्तृत विवरण **www.sppp.rajasthan.gov.in** एवं विभागीय वेबसाईट **www.rsamb.rajasthan.gov.in** पर भी देखा जा सकता है।

UBN No. : DAM2526SLOB01287

राज.संवाद/सी/25/21360 प्रशासक सचिव

नगर निगम, जोधपुर

पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजीडेन्सी रोड़, जोधपुर
E-Mail-nnjelectrical@gmail.com

क्रमाकः-सं./एफ-15/कार्य/2026/RL 4820 दिनांकः- 23.02.2026

ई- निविदा सूचना क्रमांक RL-4814 दिनाक 23.02.2026
UBN NO. DLB2526WSOB35822

जोधपुर नगर निगम द्वारा इच्छुक कार्यो के अनुभवी योग्यताधारी विधुत लाईसेन्सधारी संवेदको एंव नगर निगम में पंजीकृत नियमानुसार E-EWSD श्रेणी संवेदको या अन्य विभाग में पंजीकृत (E-EWSD-I) संवेदक से ही ऑन-लाईन "ई" टेण्डर प्रकिया से निगम शर्तो के अधीन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा के कार्यो, योग्यता, शर्तो की समस्त जानकारी वेबसाईट पर www.eproc.raj.in अथवा www.sppp.raj.nic.in अथवा www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjn पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर निगम, जोधपुर

राज.संवाद/सी/25/21433

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, टोंक (राज.)

क्रमांक :- म.सु./ई-निविदा/2026-27/1754-1768 दिनांक :- 21/02/2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
बिड संख्या-01,02,03 व 04

कृषि उपज मण्डी समिति टोंक में वर्ष 2026-27 हेतु सुरक्षा व्यवस्था (फल-सब्जी ब्लॉक, मुख्य मण्डी प्रांगण टोंक, गौण मण्डी प्रांगण सोहेला व झीराणा एंव मिनी फुडपार्क सोनवा), सफाई व्यवस्था (मुख्य मण्डी प्रांगण टोंक एंव फल-सब्जी ब्लॉक मुख्य मण्डी टोंक) व कम्प्यूटर ऑपरेटर विथ मशीन एंव असेयिंग लेब संचालन व्यवस्था (मुख्य मण्डी प्रांगण टोंक व गौण मण्डी प्रांगण सोहेला) एवं किसान कलेवा संचालन व्यवस्था (मुख्य मण्डी प्रांगण टोंक) हेतु अनुमानित बजट क्रमशः 36.00 लाख रू., 20.00 लाख रू. व 19.00 लाख रू. एंव 13.50 लाख रू. की सीमा में योग्य अनुभवी पंजीकृत सेवाप्रदाता एजेन्सीयों/संस्थाओं से राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं 2013 के अन्तर्गत मानव संसाधन की सेवाओं के उपापन के सम्बन्ध में ऑनलाईन निविदा ई-प्रोक्यूरिमेंट **(www.eproc.rajasthan.gov.in)** के माध्यम से दिनांक 10.03.2026 सांयकाल 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं।

निविदाओं से सम्बन्धित विरतृत विवरण **sppp.raj.nic.in** पर भी देखा जा सकता है।

NIB CODE : DAM2526A0761, UBN No. : DAM2526SLOB01281, DAM2526SLRC01282, DAM2526SLRC01283, DAM2526SLOB01284

राज.संवाद/सी/25/21358 प्रशासक सचिव

कार्यालय नगर परिषद निम्बाहेड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/नपनि/निर्माण/25-26/7662 दिनांक 23/02/2026

निविदा सूचना नं. 33/2025-26

नगरपरिषद निम्बाहेड़ा द्वारा कार्य मय डिफेक्ट लाईबिलीटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित हैं के लिए उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईड eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण sppp.rajasthan.gov.in के **NIB Code DLB2526B2036** पर भी देख सकते है :-

निविदा के कार्य	कुल 01 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि 393.50 लाख रूपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	23.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से
ऑनलाईन निविदा एवं राशि फार्म जमा कराने की अन्तिम दिनांक	26.03.2026 प्रातः 11.00 बजे तक
तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	26.03.2026 दोपहर 01.00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक	तकनीकी बिड मूल्यांकन पश्चात
Unique Bid Number	DLB2526WSOB35638

प्रशासक
नगर परिषद निम्बाहेड़ा

आयुक्त
नगर परिषद निम्बाहेड़ा

राज.संवाद/सी/25/21408

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक :- एफ ( )/निविदा/2025-26/4443-51 दिनांक :- 23/02/2026

NOTCE INVITING BID
NIT No. 68-79/2025-26

Bids for production Works Under PMKSY-2.0 project area in Jaswantpura, Chitalwana, Sanchore of Ahore, estimated Value INR 342.71 Lacs are invited from interested bidders Up to 12.00 PM 04-03-2026, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **https://sppp.rajasthan.gov.in/** of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB No.	UBN No.
NIT-68/ 2025-26	BLOCK AHORE CATTELSHED NIRMAN WORK	WSC2526A1769	WSC2526WSRC03051
NIT-69/ 2025-26	BLOCK AHORE GOATRY SUPPLY	WSC2526A1759	WSC2526GLRC03041
NIT-70/ 2025-26	BLOCK AHORE SPRAYERS SET SUPPLY	WSC2526A1770	WSC2526GLRC03052
NIT-71/ 2025-26	BLOCK SANCHORE GOATRY SUPPLY	WSC2526A1760	WSC2526GLRC03042
NIT-72/ 2025-26	BLOCK SANCHORE MINI SPIRNKLER SET SUPPLY	WSC2526A1767	WSC2526GLRC03049
NIT-73/ 2025-26	BLOCK SANCHORE SPRAYERS SET SUPPLY	WSC2526A1766	WSC2526GSRC03048
NIT-74/ 2025-26	BLOCK JASWANTPURA GOATRY SUPPLY	WSC2526A1761	WSC2526GLRC03043
NIT-75/ 2025-26	BLOCK JASWANTPURA MINI SPIRNKLER SET SUPPLY	WSC2526A1764	WSC2526GLRC03046
NIT-76/ 2025-26	BLOCK JASWANTPURA SPRAYERS SET SUPPLY	WSC2526A1765	WSC2526GSRC03047
NIT-77/ 2025-26	BLOCK CHITALWANA GOATRY SUPPLY	WSC2526A1772	WSC2526GLRC03054
NIT-78/ 2025-26	BLOCK CHITALWANA MINI SPIRNKLER SET SUPPLY	WSC2526A1763	WSC2526GLRC03045
NIT-79/ 2025-26	BLOCK SANCHORE KHAJUR SET SUPPLY	WSC2526A1771	WSC2526GSRC03053

Raj.Samwad/C/25/21361

SE & PMWCDC,
ZILA PARISHAD, JALORE

जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में शुक्रवार को होने वाले भारतीय वायुसेना के युद्धाभ्यास ''वायु शक्ति-2026'' की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार शाम जैसलमेर पहुंच गई हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति की अगवानी की। राष्ट्रपति रात्रि विश्राम जैसलमेर में करेंगी। शुक्रवार सुबह वे वायुसेना स्टेशन जाएंगी और शाम को पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज पहुंचेंगी, जहां वायु शक्ति युद्धाभ्यास का मुख्य आयोजन होगा।

सिलीगुड़ी में भूकम्प के झटके

सिलीगुड़ी, 26 फरवरी। सिलीगुड़ी सहित उत्तर बंगाल के कई इलाकों में गुरुवार को एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोपहर से पहले आए इस कंपन से सिलीगुड़ी, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग के विस्तृत क्षेत्रों में दहशत फैल गई। झटकों का असर कोलकाता तक महसूस किया गया, जिससे लोगों में हड़कंप मच गया।

- **तीव्रता 4.6 दर्ज हुई, कोई जनहानि नहीं।**

मौसम विभाग के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.6 दर्ज की गई। इसका केंद्र सिक्किम में था और झटके सुबह 11 बजकर 34 मिनट पर महसूस किए गए।

पर्यटन सीजन होने के कारण दार्जिलिंग और सिक्किम के पहाड़ी इलाकों में बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद है। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। प्रशासन और मौसम विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उत्तर बंगाल के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

प्रधानमंत्री अजमेर में 21 हजार 800 युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे

मोदी बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरु करेंगे, मुख्यमंत्री भजनलाल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे

- **प्रधानमंत्री मोदी राज्य के शहरी विकास, पेयजल, सड़क, रेलवे, सिंचाई, ऊर्जा व औद्योगिक क्षेत्र की 16 हजार 800 करोड़ रूपए की 43 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे।**
- **प्रधानमंत्री की जनसभा के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई है। करीब 5 हजार जवान कार्यक्रम स्थल व आसपास तैनात रहेंगे। सभा स्थल की निगरानी आधुनिक तकनीक के साथ हेलीकॉप्टर के जरिए की जाएगी।**

जयपुर, 26 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार (28 फरवरी) को राजस्थान के अजमेर आएंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री 9 से 14 साल तक की बालिकाओं को एचपीवी टीके की खुराक देकर एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत करेंगे। साथ ही, प्रधानमंत्री केन्द्र एवं राज्य सरकार की 16 हजार 686 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ उपस्थित रहेंगे।

एचपीवी टीकाकरण अभियान की पहल सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और किशोरियों के स्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य किशोरियों का प्रारंभिक अवस्था में ही टीकाकरण कर उन्हें सर्वाइकल कैंसर से बचाना है।

प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में शहरी विकास, पेयजल आपूर्ति, सड़क, रेलवे, सिंचाई, ऊर्जा और औद्योगिक बुनियादी ढ ांचे समेत, विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 16 हजार 686 करोड़ रुपये की लागत की 43 प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे।

इन परियोजनाओं में बांदीकुई से जयपुर तक 4 लेन, जयपुर में सांगानेर फ्लाईओवर से मालपुरा गेट तक एलीवेटेड रोड, जोधपुर शहर में 4 लेन एलीवेटेड रोड का शिलान्यास भी करेंगे।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और संगठनों में चयनित 21 हजार 863 युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे।

करीब पांच हजार पुलिस और सुरक्षा जवान पूरे कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात रहने वाली देश की सबसे विशिष्ट सुरक्षा एजेंसी के कमांडो भी सुरक्षा की कमान संभालेंगे। सभा स्थल की निगरानी आधुनिक तकनीक के साथ-साथ हेलीकॉप्टर के जरिए भी की जा रही है। आसमान से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है, ताकि सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक की संभावना न रहे।

सुनेत्रा पवार बनीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष

- **सुनेत्रा ने पूरी तरह से अपने स्व.पति अजीत पवार की विरासत संभाल ली है**
- **इससे पहले उन्हें अजीत पवार के रिक्त उपमुख्यमंत्री पद पर भी नियुक्त किया गया था।**

मुंबई, 26 फरवरी। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एपी) का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। यह निर्णय मुंबई के वर्ली में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

इस बैठक में राकांपा (एपी) के कार्याध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए पेश किया। बैठक में उपस्थित सभी नेताओं और पदाधिकारियों ने हाथ उठाकर इस प्रस्ताव को सहमति दी। इसके बाद पटेल ने सुनेत्रा पवार को राकांपा (एपी) का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। राकांपा (अजित पवार) प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे सहित, सभी नेताओं ने सुनेत्रा पवार का स्वागत किया। सुनेत्रा पवार के इस्तीफे से खाली हुई राज्यसभा सीट के लिए पार्थ पवार को नामित किया जाएगा। पार्थ अजित पवार और सुनेत्रा के बड़े बेटे हैं।

इस मौके पर सुनेत्रा पवार ने कहा कि वे बहुत ही मुश्किल समय से गुजर रही हैं। अजित पवार इस पार्टी को आगे ले जाने के लिए रात-दिन काम करते थे। वे हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चल रहे थे। अब वे नहीं हैं तो उनकी जिम्मेदारी उन पर हैं।

कैनडा के प्र.मंत्री कार्नी आज भारत में

नई दिल्ली, 26 फरवरी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 27 फरवरी से 2 मार्च तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और नई साझेदारियों की संभावनाओं को तलाशने के उद्देश्य से कार्नी की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है।

प्रधानमंत्री कार्नी 01 मार्च को नई दिल्ली पहुंचेंगे तथा 02 मार्च को मोदी एवं कार्नी हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत करेंगे। दोनों नेता भारत-कैनडा रणनीतिक साझेदारी के अलग-अलग क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे, जो कनानास्किस (जून 2025) और जोहान्सबर्ग (नवंबर 2025) में हुई उनकी पिछली बैठकों पर आधारित होगी। वे व्यापार निवेश ऊर्जा महत्वपूर्ण खनिजों कृषि शिक्षा अनुसंधान और नवाचार जैसे खास स्तंभों पर सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

ईडी ने पी चिदम्बरम के खिलाफ शिकंजा कसा

ईडी ने एयर सैल मैक्सिस तथा आईएनएस मीडिया केस में यह कार्यवाही की

- **ईडी का आरोप है कि पी चिदम्बरम ने वित्त मंत्री रहते हुए एयर सैल मैक्सिस को विदेशी निवेश की स्वीकृति दी थी जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आती थी।**

नई दिल्ली, 26 फरवरी। राऊज एवेन्यू स्थित जिला अदालत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एयरसेल-मैक्सिस डील और आईएनएक्स मीडिया मनी लांड्रिंग मामले में पूर्व केन्द्रीय वित्त मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के खिलाफ प्राप्त अभियोजन स्वीकृति आदेश दाखिल कर दिया है। एजेंसी ने बताया कि मुकदमे की सुनवाई में तेजी लाने के उद्देश्य से यह आदेश अदालत में प्रस्तुत किया गया।

ईडी के अनुसार, एयरसेल-मैक्सिस मामले में उसने मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जांच सीबीआई द्वारा 9 अक्टूबर 2011 को दर्ज एफआइआर के आधार पर शुरू की थी। एजेंसी का आरोप है कि वित्त मंत्री रहते हुए पी. चिदंबरम ने 20 मार्च 2006 को एयरसेल-मैक्सिस को विदेशी निवेश स्वीकृति प्रदान की, जबकि प्रस्तावित निवेश राशि 600 करोड़ रुपये से अधिक होने के कारण इसकी मंजूरी कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स के अधिकार क्षेत्र में आती थी। ईडी ने कहा कि जांच में यह सामने आया कि इस स्वीकृति के बदले अवैध लाभ लिया गया और 1.16 करोड़ रुपये की राशि कंपनियों के माध्यम से प्राप्त हुई। इस राशि को 23 सितंबर 2017 को अस्थायी रूप से अटैच किया गया था। एजेंसी ने बताया कि इस मामले में 13 जून 2018 को अभियोजन शिकायत व 25 अक्टूबर 2018 को पूरक शिकायत विशेष पीएमएलए अदालत में दाखिल की गई थी, जिसमें पी. चिदंबरम को आरोपी बनाया गया।

पंजाब विधानसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। ऐसा लगता है कि भाजपा में, 2024 के लोकसभा चुनावों में मिले 18.5 प्रतिशत वोट शेयर से आत्मविश्वास पैदा हुआ है, जो उसे पंजाब की तीसरी सबसे बड़ी ताकत के रूप में स्थापित करता है। ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' और ''पूर्वांचल सम्मान'' जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत के साथ, भाजपा की रणनीति गैर-पंजाबी प्रवासी वोट बैंक को एकजुट करने पर केन्द्रित रही है, जो लुधियाना जैसे शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में एक प्रमुख वोट ब्लॉक बनाता है। गृह मंत्री 14 मार्च को मोगा में होने वाली ''बदलाव रैली'' में प्रवासी वर्ग तक पहुंचने की कोशिश कर सकते हैं। वहीं पार्टी नेताओं में एसएडी के साथ चुनावी गठबंधन की संभावना को लेकर मतभेद बने हुए हैं, जिसमें एक पक्ष का मानना है कि इससे पूर्व एसएडी सरकारों से जुड़ा गैंगस्टरवाद और ड्रग्स की समस्याएं सामने आ सकती हैं। हालांकि, पूर्व कांग्रेस नेता अमरिंदर सिंह सहित, दूसरे पक्ष का कहना है कि एसएडी के साथ रिश्तों को फिर से जीवित करना भाजपा के लिए फायदेमंद होगा, क्योंकि बहु-कोणीय मुकाबलों के बीच यह पार्टी को लाभ पहुंचा सकता है। कांग्रेस, आप, भाजपा और एसएडी के अलावा, छोटे दल और बिखरे हुए समूह, जैसे अकाली दल (वारिस पंजाब दे) और एसएडी (अमृतसर) भी अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रहे हैं।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया है, जिसे वह संविधानिक नैतिकता और मूल संरचना सिद्धांत को कायम रखने में निभाती है।

भारत का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलकर संयुक्त विकास, संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

अनिल अंबानी के मुंबई ठिकानों पर सीबीआई ने रेड की

यह कार्यवाही बैंक ऋण धोखाधड़ी के मामले में की गई है

- **सीबीआई के अनुसार बैंक ऑफ बड़ौदा की शिकायत पर अनिल अंबानी व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। आरोप है कि उन्होंने फर्जी लेनदेन दिखाकर ऋण का दुरुपयोग किया था।**

नई दिल्ली, 26 फरवरी। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से संबंधित बैंक ऑफ बड़ौदा ऋण मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास और कार्यालय में तलाशी ली। यह कार्रवाई 2,220 करोड़ रुपये से अधिक के कथित ऋण धोखाधड़ी मामले में की गई है। सीबीआई के अनुसार, बैंक ऑफ बड़ौदा की 24 फरवरी 2026 की शिकायत पर रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, उसके प्रमोटर एवं पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बैंक से लिए गए ऋण को संबंधित पक्षों के साथ फर्जी लेनदेन दिखाकर डायवर्ट किया और दुरुपयोग किया। कंपनी के खातों में हेरफेर किया गया और अनियमितताओं को छिपाया गया। इससे बैंक ऑफ बड़ौदा को 2,220 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। सीबीआई के मुताबिक, यह खाता वर्ष 2017 में ही एनपीए घोषित कर दिया गया था। हालांकि, अनिल अंबानी द्वारा बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर याचिका के बाद खाते को धोखाधड़ी घोषित करने पर रोक लगी थी। यह रोक 23 फरवरी 2026 को हटने के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने शिकायत दर्ज कराई और सीबीआई ने तुरंत मामला दर्ज किया। जांच एजेंसी ने बताया कि इससे पहले भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत पर 11 बैंकों के कंसोर्टियम से जुड़े एक अलग मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ मामला दर्ज किया जा चुका है। बैंक ऑफ बड़ौदा उस कंसोर्टियम का हिस्सा नहीं था। यह ऋण बैंक ऑफ बड़ौदा, तत्कालीन विजया बैंक और देना बैंक से लिया गया था, जो अब बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय हो चुके हैं। मामला दर्ज करने के बाद सीबीआई ने अनिल अंबानी के आवास और रिलायंस कम्युनिकेशंस के पंजीकृत कार्यालयों पर तलाशी ली।

जल जीवन मिशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बरामद हुए थे। बताया जाता है कि पदम चन्द जैन अन्य आरोपियों की ओर से रिश्वत मांगता और रिश्वत राशि प्राप्त करता था। इन आरोपियों को पूर्व में जमानत का लाभ दिया जा चुका है। याचिकाकर्ता ठेका फर्म श्री श्याम ट्यूबवेल और गणपति ट्यूबवेल के कर्मचारी हैं। उन्होंने न तो रिश्वत राशि को लेकर कोई बात की है और न ही कोई काम किया है। वहीं उनका एफआईआर में नाम भी नहीं है। जलदाय विभाग और ठेका फर्म के बीच सिविल प्रकृति का विवाद होने के चलते निचली अदालत में सिविल केस भी दर्ज कराए गए हैं। याचिकाकर्ता को एफआईआर दर्ज होने के दो साल बाद गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में आरोप पत्र भी पेश हो चुका है। ऐसे में उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। याचिका का विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की अपने फर्म मालिकों से हुई बातचीत के तथ्यों से साबित है कि अपराध में उनकी भूमिका भी थी। ऐसे में उन्हें जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

'नरेन्द्र आप दोस्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होता है। लेकिन मेरे प्रिय दोस्त नरेन्द्र, मैं आपकी यात्रा से खासा प्रभावित हूं। आप इज़राइल के एक महान दोस्त हैं और विश्व मंच पर एक महान नेता हैं, नरेन्द्र, आप दोस्त से बढ़कर हैं। आप एक भाई हैं।''

दोनों नेताओं के बीच की व्यक्तिगत कैमिस्ट्री इज़राइल में बहुत प्रचारित की जा रही है, और यह कनेसट में भी स्पष्ट रूप से देखी गई, जहाँ दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाया और सबने ताली बजाकर उनका अभिनंदन किया। गले मिलते हुए और सांसदों व दर्शकों का खड़ा होकर ताली बजाने का दृश्य अद्भूत था। नेतन्याहू ने कहा, ''आज एयरपोर्ट पर हम एक-दूसरे से गले मिले। इसे मोदी हग कहा जाता है। मैं यहां हर कनेसट सदस्य की तरफ से उन्हें गले लगाने आया हूं। यह हमारे बीच की गर्मजोशी का प्रतीक है।''

इज़राइली प्रधानमंत्री के साथ एक फोटो साझा करते हुए मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''मेरे कनेसट संबोधन के बाद, प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मैं एक प्रदर्शनी की ओर जा रहे हैं, जो प्रौद्योगिकी की दुनिया में की गई उपलब्धियों को प्रदर्शित करती है।''

एनसीईआरटी की किताब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईमानदारी पर सवाल उठाना नहीं था। परिषद ने कहा कि अध्याय का उद्देश्य संस्थागत चुनौतियों पर आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना था, न कि समग्र रूप से न्याय प्रणाली की ईमानदारी पर सवाल उठाना। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अधिक संतुलन और संदर्भ की स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए संशोधन पर विचार किया जाएगा।

यह घटना एक व्यापक बहस को फिर से खोल देती है कि नागरिक शिक्षा को संस्थागत कमियों को कैसे संबोधित करना चाहिए। एक ओर, प्रणालीगत मुद्दों जैसे मामलों के लंबित होने और न्यायिक रिक्तियों की पारदर्शिता नागरिकता की जानकारी के लिए आवश्यक है। दूसरी ओर, आलोचकों का कहना है कि स्कूल पाठ्यपुस्तकों को इन मुद्दों को जिम्मेदारी से प्रस्तुत करना चाहिए, और संरचनात्मक चुनौतियों और अनुशासनहीनता के आरोपों के बीच अंतर करना चाहिए।

यह विवाद यह भी दर्शाता है कि शैक्षणिक सामग्री और न्यायिक निगरानी के बीच संवेदनशील संबंध बढ़ते जा रहे हैं। जबकि अदालतें ऐतिहासिक रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शैक्षणिक स्वायत्तता का बचाव करती रही हैं, वे तब हस्तक्षेप करती हैं, जब संस्थागत अखंडता को खतरा महसूस होता है।

यह विवाद, जवाबदेही और विश्वसनीयता के बीच तनाव को दर्शाता है। न्यायपालिका, जैसी सभी लोकतांत्रिक संस्थाएं, आलोचना से परे नहीं है। फिर भी उस आलोचना का ढांचा, विशेष रूप से शैक्षणिक सामग्री में, सार्वजनिक विश्वास के लिए, परिणामस्वरूप हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट की मजबूत टिप्पणियाँ इस बात की ओर इशारा करती हैं कि प्रतिष्ठा का यह क्षरण केवल एक अलग आलोचना नहीं, बल्कि संस्थागत वैधता के बड़े कथात्मक संघर्ष का हिस्सा हो सकता है। एनसीईआरटी इस सामग्री को कैसे संशोधित करता है, और क्या यह घटना पाठ्यपुस्तकों में संवैधानिक संस्थाओं को प्रस्तुत करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देशों की ओर अग्रसर होती है, यह तय करेगा कि विवाद शांत होता है या फिर आलोचना की सीमाओं पर एक बड़ी बहस शुरू होती है।

होली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिल्ली और उत्तर रेलवे के अन्य स्टेशनों के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इससे नियमित ट्रेन में कन्फर्म टिकट लेने से वंचित लोगों को यात्रा करने में आसानी होगी।

सिम के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूरसंचार विभाग ने गाइडलाइन के मुताबिक कंपनियों को नियम लागू करने के लिए 90 दिनों का समय दिया था। इसका मतलब है कि डेडलाइन 28 फरवरी को खत्म हो जाएगी और 1 मार्च 2026 से सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को सिम-बाइंडिंग सिस्टम लागू करना अनिवार्य होगा। मोबाइल एप के साथ ही वेब और डेस्कटॉप वर्जन के लिए भी नया नियम लागू होगा। अगर आप व्हाट्सएप वेब या डेस्कटॉप पर लॉगिन करते हैं, तो हर छह घंटे में ऑटो लॉग-आउट हो जाएगा। दोबारा इस्तेमाल के लिए क्यूआर कोड स्कैन कर लॉगिन करना होगा। नए नियम के तहत जिस मोबाइल नंबर से आपका व्हाट्सएप अकाउंट बना है, वही सिम कार्ड आपके फोन में एक्टिव रहनी चाहिए। अगर वह सिम फोन से हटा दी जाती है या निष्क्रिय हो जाती है, तो एप उस डिवाइस पर काम करना बंद कर देगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600